# हिंदी विभाग, भाषा-साहित्य संकाय
# महादेव देसाई समाजसेवा संकुल
# गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

बी.ए. ओनर्स (हिन्दी)
चार वर्षीय पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (**NEP**) के अनुसार
बी.ए. ओनर्स (हिन्दी) का
चार वर्षीय सेमेस्टरवार पाठ्यक्रम

जुलाई, 2023 से लागू

# पाठ्यक्रम का ढाँचा बी.ए. (हिन्दी ओनर्स) हिन्दी

| प्रथम सेमेस्टर क्रेडिट (20) | क्रेडिट | घंटे | अंक |
|---|---|---|---|
| MJRHIN –101. हिंदी साहित्य का आदिकाल | 4 | 60 | 100 |
| MNRHIN—102 देवनागरी हिंदी वर्तनी और अंक : मानकीकरण | 4 | 60 | 100 |

**Multidisciplinary 1(3), Ability Eenhancement course 1(4),**
**Skill Eenhancement course 1(3), Value added course 1(2) = 6(20)**

| द्वितीय सेमेस्टर क्रेडिट (20) | क्रेडिट | घंटे | अंक |
|---|---|---|---|
| MJRHIN –201. हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल | 4 | 60 | 100 |
| MNRHIN-202 हिन्दी प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन | 4 | 60 | 100 |

**Multidisciplinary 1(3), Ability Eenhancement course 1(4),**
**Skill Eenhancement course 1(3), Value added course 1(2)** = 6(20)

| तृतीय सेमेस्टर क्रेडिट (20) | क्रेडिट | घंटे | अंक |
|---|---|---|---|
| MJRHIN-301 हिंदी साहित्य का रीतिकाल | 4 | 60 | 100 |
| MJRHIN-302 हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल | 4 | 60 | 100 |
| MNRHIN- 303. हिंदी कम्प्यूटिंग | 4 | 60 | 100 |

**Multidisciplinary 1(3), Ability Eenhancement course ,**
**Skill Eenhancement course , Value added course 1(2)** = 6(20)

| चतुर्थ सेमेस्टर क्रेडिट क्रेडिट (20) | क्रेडिट | घंटे | अंक |
|---|---|---|---|
| MJRHIN-401 401 हिन्दी साहित्य : छायावाद | 4 | 60 | 100 |
| MJRHIN-402 हिन्दी साहित्य : प्रगतिवाद और प्रयोगवाद | 4 | 60 | 100 |
| MJRHIN-403 हिन्दी साहित्य : नई कविता | 4 | 60 | 100 |
| MNRHIN- 404. राजभाषा हिन्दी | 4 | 60 | 100 |

**Multidisciplinary , Ability Eenhancement course ,**
**Skill Eenhancement course 1(3) , Value added course 1(2) = 6(20)**

| पंचम सेमेस्टर क्रेडिट (20) | क्रेडिट | घंटे | अंक |
|---|---|---|---|
| MJRHIN-501 हिन्दी साहित्य : आधुनिक हिंदी कहानी | 4 | 60 | 100 |
| MJRHIN-502 हिंदी साहित्य : आधुनिक हिन्दी उपन्यास | 4 | 60 | 100 |
| MJRHIN-503 हिंदी साहित्य : आधुनिक हिन्दी नाटक | 4 | 60 | 100 |
| MJRHIN-504 हिंदी साहित्य : आधुनिक हिन्दी निबंध | 4 | 60 | 100 |
| MNRHIN-505 राजभाषा हिंदी का तकनीकी पक्ष | 4 | 60 | 100 |

**Multidisciplinary, Ability Eenhancement course ,**
**Skill Eenhancement course , Value added course** = 6(20)

छठा सेमेस्टर क्रेडिट (20) क्रेडिट घंटे अंक

MJRHIN-601 हिन्दी साहित्य : रिपोर्ताज, संस्मरण और रेखाचित्र 4 60 100

MJRHIN-602 हिन्दी साहित्य : आत्मकथा, जीवनी और डायरी 4 60 100

MJRHIN-603 भारतीय काव्यशास्त्र 4 60 100

MJRHIN-604 पाश्चात्य काव्यशास्त्र 4 60 100

MNRHIN-605 प्रयोजनमूलक हिंदी 4 60 100

**Multidisciplinary, Ability Eenhancement course ,**
**Skill Eenhancement course , Value added course** = 6(**20)**

सातवाँ सेमेस्टर (रिसर्च स्ट्रीम) क्रेडिट (20) क्रेडिट घंटे अंक

MJRHIN-701 शोध पद्धति-1 4 60 100

MJRHIN-702 शोध पद्धति-2 4 60 100

MJRHIN-703 शोध पद्धति-3 4 60 100

MJRHIN-704 हिंदी भाषा की वैचारिक पृष्ठभूमि 4 60 100

MNRHIN-705 प्रयोजनमूलक हिंदी का समस्यामूलक पक्ष 4 60 100

आठवाँ सेमेस्टर (रिसर्च स्ट्रीम) क्रेडिट (20) क्रेडिट घंटे अंक

MJRHIN-801 शोध प्रविधि 4 60 100

MNRHIN-802 हिंदी पत्रकारिता प्रशिक्षण 4 60 100

MJRHIN-803 शोध परियोजना (डिजर्टेशन) (शोध स्ट्रीम के छात्रों के लिए) 1(12)

गैर-रिसर्च स्ट्रीम 5(20) क्रेडिट घंटे अंक

MJRHIN-804 हिंदी साहित्य के विविध विमर्श 4 60 100

MJRHIN-805 विशेष साहित्यकार भीष्म साहनी 4 60 100

MJRHIN-806 विशेष साहित्यकार प्रेमचंद 4 60 100

MJRHIN-807 हिंदी कथा साहित्य का विशेष अध्ययन 4 60 100

MNRHIN-808 हिंदी पत्रकारिता 4 60 100

**Multidisciplinary Course (Hindi)**

**MDC-01** संस्कृति एवं मीडिया : **(3 Credit)**

**MDC-02** हिन्दी पत्रकारिता प्रशिक्षण : **(3 Credit)**

**Ability Enhancement Course (AEC)**

**AEC-01** हिंदी भाषा : **(3 Credit)**

**Total Paper (Credit) = 43(166) Required Credit = 165**
**Major = 21(84)**
**Minor = 8(32), Multidisciplinary = 3(9), Ability Eenhancement course 2(8), Skill Eenhancement course 3(9), Value added course 4(8), Internship 1(4)**
**Research Project/Dissertation 1(12)**
**Total Paper (Credit) (Major+Minor) = 43(166)**
**Required Credit (Major+Minor) = 165**

## Exit Points

1. **After completing 1 year (2 semester), 40 credits = U.G. Certificate**
2. **After completing 2 year (4 semester), 80 credits = U.G. Diploma**
3. **After completing 3 year (6 semester), 120 credits = B.A.**
4. **After completing 4 year (8 semester), 160 credits = B.A. (Honours) (With Research Stream and without Research Stream)**

### Four Year UG (1. Certificate 2. Diploma 3. Degree) Course

| Broad Category of Course | Sem-1 Paper (Credit) | Sem-2 Paper (Credit) | Sem-3 Paper (Credit) | Sem-4 Paper (Credit) | Sem-5 Paper (Credit) | Sem-6 Paper (Credit) | Total Paper (Credit |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Major | 1 (4) | 1 (4) | 2 (8) | 3 (12) | 4 (16) | 4 (16) | 15(60) |
| Minor | 1 (4) | 1 (4) | 1(4) | 1 (4) | 1 (4) | 1 (4) | 6 (24) |
| Multidisciplinary | 1 (3) | 1 (3) | 1 (3) | - | - | - | 3 (09) |
| Ability Enhancement course | 1 (2) | 1 (2) | 1(2) | 1(2) | | | 4 (08) |
| Skill Enhancement Course | 1 (3) | 1 (3) | 1(3) | - | - | - | 3 (09) |
| Value added Courses | 2 (4) | | | 1 (2) | - | - | 3 (06) |
| Internship | - | 1(4)* | - | - | - | - | 1 (04) |
| Total | 7 (20) | 6 (20) | 6 (20) | 6 (20) | 5 (20) | 5 (20) | 35 (120 |
| | 40 | | 40 | | 40 | | 120 |

### Four Year UG (Honours ) Course

| Broad Category of Course | Sem-1 Paper (Credit) | Sem-2 Paper (Credit) | Sem-3 Paper (Credit) | Sem-4 Paper (Credit) | Sem-5 Paper (Credit) | Sem-6 Paper (Credit) | Sem-7 Paper (Credit) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Major (core) | 1 (4) | 1 (4) | 2 (8) | 3 (12) | 4 (16) | 4 (16) | 4 (16) |
| Minor | 1 (4) | 1 (4) | 1(4 ) | 1(4) | 1 (4) | 1 (4) | 1 (4) |
| Multidisciplinary | 1 (3) | 1 (3) | 1 (3) | - | - | - | - |
| Ability Enhancement course | 1 (2) | 1 (2) | 1(2) | 1(2) | | | |
| Skill Enhancement Course | 1 (3) | 1 (3) | 1(3) | - | - | - | - |
| Value added Courses | 2 (4) | | | 1 (2) | - | - | - |
| Internship | - | 1(4) | - | - | - | - | - |
| Research Project / Dissertation | | | | | | | |
| Total | 7 (20) | 6 (20) | 6 (20) | 6 (20) | 5(20) | 5(20) | 5(20) |
| | 40 | | 40 | | 40 | | |

**SEM - 1 -2** Certificate Course **(40 Credit) 100-199 Level** Course
**SEM - 3 -4** Diploma Course **(88 Credit) 200-299 Level** Course
**SEM - 5 -6** Degree Course **(136 Credit) 300-399 Level** Course
**SEM - 7 -8** Honours Course **(176 Credit) 400 -499 Level** Course

q

# Four Year UG (Honours with Research) Course

| Broad Category of Course | Sem-1 Paper (Credit) | Sem-2 Paper (Credit) | Sem-3 Paper (Credit) | Sem-4 Paper (Credit) | Sem-5 Paper (Credit) | Sem-6 Paper (Credit) | Sem-7 Paper (Credit) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Major (core)** | **1 (4)** | **1 (4)** | **2 (8)** | **3 (12)** | **4 (16)** | **4 (16)** | **4 (16)** |
| **Minor** | **1 (4)** | **1 (4)** | **1(4 )** | **1(4)** | **1 (4)** | **1 (4)** | **1 (4)** |
| **Multidisciplinary** | **1 (3)** | **1 (3)** | **1 (3)** | **-** | **-** | **-** | **-** |
| **Ability Enhancement course** | **1 (2)** | **1 (2)** | **1(2)** | **1(2)** | | | |
| **Skill Enhancement Course** | **1 (3)** | **1 (3)** | **1(3)** | **-** | **-** | **-** | **-** |
| **Value added Courses** | **2 (4)** | | | **1 (2)** | **-** | **-** | **-** |
| **Internship** | **-** | **1(4)** | **-** | **-** | **-** | **-** | **-** |
| **Research Project / Dissertation** | | | | | | | |
| **Total** | **7 (20)** | **6 (20)** | **6 (20)** | **6 (20)** | **5(20)** | **5(20)** | **5(20)** |
| | **40** | | **40** | | **40** | | |

**SEM - 1 -2** Certificate Course **(40 Credit) 100-199 Level** Course
**SEM - 3 -4** Diploma Course **(80 Credit) 200-299 Level** Course
**SEM - 5 -6** Degree Course **(120 Credit) 300-399 Level** Course
**SEM - 7 -8** Honours Course **(160 Credit) 400 -499Level** Course
**SEM - 7 -8** Honours with Research Course **(160 Credit) 400-499 Level** Course
**(સંશોધનકાર્ય કરવાનું રહેશે.)**

## Name of Courses

| | |
|---|---|
| **Major Courses**<br>1. Hindi 2. Gujarati<br>3. English 4. History<br>5. Rural Economics 6. Social Anthropology<br>7. Rural Development and Management | **Minor Courses**<br>1. Hindi 2. Gujarati<br>3. English 4. History<br>5. Rural Economics 6. Social Anthropology<br>7. Rural Development and Management |
| **Multidisciplinary Course**<br>1. संस्कृति एवं मीडिया<br>2. हिन्दी पत्रकारिता प्रशिक्षण<br>3. સાહિત્ય અને સમાજ 4. સાહિત્ય અને સિનેમા<br>5. ઇતિહાસ અને સાહિત્ય 6. ઇતિહાસ અને સિનેમા<br>7. મુડીવાદનો ઉદય અને વિકાસ 8. Literature and Mythology<br>9. Gandhi in Literature 10. Ecology and Literature | **Ability Enhancement Course (AEC)**<br>1. English Language<br>2. ગુજરાતી ભાષા<br>3. हिन्दी भाषा<br>4. ભાષા ભવન દ્વારા ઓફર કરવામાં આવતા કોર્સ |
| **Skill Enhancement Course (SEC)**<br>1. Computers (Dept of Computer Science)<br>2. Spinning and Weaving (Dr. Arun Gandhi)<br>3. Electric Wiring (Dept of Arun Gandhi)<br>4. Photography (Dept of Audio Visual) | **Value Added Courses (VAC)**<br>**1**. Disaster Management (Dept of Lifelong Education)<br>2. Yoga (Dept of Physical Education)<br>3.Environment Awareness<br>**4.** Indian Knowledge System (Dept of Education)<br>5. Gandhian Education System (Dept of Gandhian Thoughts)<br>6. Any other |

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-1

# **MJRHIN**-101 हिंदी साहित्य का आदिकाल

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश की परंपरा में आगे चलकर शौरसेनी अपभ्रंश से हिंदी का उद्भव हुआ। तत्पश्चात हिंदी साहित्य का विकास आदिकालीन हिंदी के रूप में हुआ जिसकी जानकारी छात्रों को इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत दी जाएगी।

इकाई - 1 हिन्दी साहित्य का काल-विभाजन

**1.1** आदि काल, भक्ति काल, रीति काल और आधुनिक काल

**1.2** आदिकाल का नामकरण

**1.3** आदिकाल की परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ

**1.4** आदिकाल की विभिन्न धाराओं का परिचय

इकाई - 2 आदिकालीन साहित्य का परिचय

2.1 सिद्ध साहित्य धारा

2.2 नाथ साहित्य धारा

2.3 जैन साहित्य धारा

2.4 वीरगाथा काव्य धारा

2.5 अन्य काव्य धारा

इकाई - 3 आदिकाल की प्रमुख रचनाओं का परिचय

3.1 पृथ्वीराज रासो

3.2 खुमाणरासो

3.3 बीसलदेव रासो

3.4 विजयपाल रासो

3.5 खुसरो की पहेलियाँ

3.6 विद्यापति की पदावली

इकाई - 4 आदिकाल की प्रमुख विशेषताएँ एवं प्रवृतियाँ

4.1 वीरगाथाएँ

4.2 वीरगाथाओं की विशेषताएँ

4.3 वीरगाथाओं की प्रवृतियाँ

4.4 रासो काव्य
4.5 रासो काव्य की विशेषताएँ
4.6 रासो काव्य की प्रवृतियाँ
4.7 विद्यापति की पदावली की विशेषताएँ

इकाई - 5 आदिकालीन साहित्य के प्रमुख रचनाकार
5.1 चंदबरदायी
5.2 अमीर खुसरो
5.3 विद्यापति
5.4 रासो साहित्य के प्रमुख रचनाकार
5.5 जैन साहित्य के प्रमुख रचनाकार
5.6 सिद्ध साहित्य के प्रमुख रचनाकार
5.7 नाथ साहित्य के प्रमुख रचनाकार

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>


**1.** हिंदी साहित्य का प्रवृतिपरक इतिहास, डॉ. रमापति मिश्र
**2.** हिंदी साहित्य का इतिहास, कमल नारायण टंडन
**3.** हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद प्रकाशन, आगरा
**4.** हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
**5.** हिन्दी साहित्य का सुबोघ इतिहास, बाबू गुलाबराय, पुस्तक प्रकाशन, आगरा
**6.** हिंदी साहित्य का इतिहास, जयनारायण वर्मा
**7.** हिंदी साहित्य का इतिहास, शिवकुमार शर्मा
**8.** हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. माधव सोनटक्के
**9.** हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. विजयेंद्र स्नातक
**10.** हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. नगेंद्र
**11.** हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास, बाबू गुलाब राय
**12.** हिंदी साहित्य का आदिकाल, डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
**13.** हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा
**14.** हिंदी साहित्य का आदिकाल, डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा
**15.** हिंदी साहित्य : युग एवं प्रवृतियाँ, डॉ. विजयपाल सिंह

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद
# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-1

## MNRHIN—102 देवनागरी हिंदी वर्तनी और अंक : मानकीकरण

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

देवनागरी वर्तनी और अंकों का मानकीकरण 1967 में हो चुका है जिसकी सैद्धांतिक जानकारी स्नातक स्तर के छात्रों को होना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर देवनागरी वर्तनी और अंकों का मानकीकरण, हिंदी की प्रकृति, हिंदी की शब्द सम्पदा, संस्कृत से शब्द ग्रहण करने की पद्धति, हिंदी में विदेशी भाषाओं के शब्द और वाक्य विन्यास की जानकारी प्राप्त कराना इस प्रश्नपत्र का मुख्य उद्देश्य है।

इकाई - 1 देवनागरी हिंदी वर्तनी और अंकों का मानकीकरण

**1.1** देवनागरी वर्तनी
**1.2** देवनागरी हिंदी के अंक
**1.3** देवनागरी वर्तनी का मानकीकरण
**1.4** मानक देवनागरी हिंदी वर्तनी
**1.5** देवनागरी हिंदी अंकों का मानकीकरण
**1.6** देवनागरी हिंदी के मानक अंक
**1.7** अंतरराष्ट्रीय मानक अंक

इकाई - 2 हिंदी की प्रकृति

2.1 हिंदी भाषा का विकास
2.2 शौरशेनी अपभ्रंश और खड़ी बोली
2.3 फोर्ट विलियम कॉलेज और खड़ी बोली हिंदी
2.4 हिंदी भाषा की सामाजिक व्यवस्था
2.5 हिंदी भाषा की अर्थ सम्पदा

इकाई - 3 हिंदी की शब्द सम्पदा और संस्कृत से शब्द ग्रहण करने की पद्धति

3.1 तत्सम शब्द
3.2 तद्भव शब्द
3.3 देशज शब्द
3.4 विदेशी शब्द
3.5 अज्ञात व्युत्पत्तिक शब्द
3.6 संकर शब्द
3.7 पारिभाषिक शब्द

इकाई - 4 हिंदी में विदेशी भाषाओं के शब्द

4.1 अरबी-फारसी-तुर्की के शब्द

4.2 अंग्रेजी के शब्द

4.3 पुर्तगाली, आदि भाषाओं के शब्द

4.4 अनुकूलित शब्द

4.5 नवनिर्मित पारिभाषिक शब्द

इकाई - 5 वाक्य विन्यास

5.1 हिंदी वाक्य गठन

5.2 सरल वाक्य

5.3 संयुक्त वाक्य

5.4 मिश्र वाक्य

5.5 सन्निविष्ठ वाक्य

संदर्भ ग्रंथ


1. देवनागरी हिंदी वर्तनी और अंकों का मानकीकरण, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, दिल्ली **www.rajbhasha.gov.in**
2. हिंदी की वर्तनी और शब्द मीमांसा, किशोरीदास वाजपेयी
3. जनसंचार माध्यम और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद
4. भाषिक स्वरूप संरचना और कार्य, डॉ. राम गोपाल सिंह, शांति प्रकाशन, अहमदाबाद
5. हिंदी में सीडिया लेखन और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
6. भाषा विज्ञान, डॉ. राम गोपाल सिंह, आकाश पब्लिशर्स, गाजियाबाद
7. आधुनिक हिंदी व्याकरण, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-2

## **MJRHIN**-201 हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

मध्यकालीन काव्य में भक्ति काव्य जहाँ लोकजागरण को स्वर देनेवाला है, वहीं रीतिकाल अपने लौकिक-श्रृंगारिक परिदृश्य में तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक स्थितियों को अच्छी तरह से अभिव्यंजित करता है। अतः भाषा, संस्कृति, विचार, मानवता, काव्यत्व, काव्यरूपता, लौकिकता, पारलौकिकता आदि दृष्टियों से इसका अध्ययन आवश्यक है। इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत छात्रों को भक्तिकाव्य एवं मध्यकालीन कवियों की जानकारी देना मुख्य उद्देश्य है।

इकाई - 1 हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल नामकरण, उद्भव और विकास

- **1.1** भक्तिकाल का नामकरण
- **1.2** भक्तिकाल और भक्ति का उद्भव
- **1.3** भक्ति और भक्तिकाल का विकास
- **1.4** भक्तिकाल की विभिन्न धाराओं का परिचय
- **1.5** भक्तिकाल की युगीन परिस्थितियाँ
- **1.6** भक्तिकाल की प्रवृतियाँ

इकाई - 2 भक्तिकाल की विभिन्न शाखाएँ

- 2.1 ज्ञानमार्गी शाखा और उसकी पृष्ठभूमि
- 2.2 ज्ञानमार्गी शाखा के प्रमुख संत कवि
- 2.3 ज्ञानमार्गी शाखा के प्रमुख संत कवि कबीर और उनकी रचनाएँ
- 2.4 कबीर का रहस्यवाद
- 2.5 समाज सुधारक कबीर
- 2.6 ज्ञानमार्गी शाखा की मुख्य प्रवृतियाँ

इकाई - 3 प्रेममार्गी शाखा

- 3.1 प्रेममार्गी शाखा और उसकी पृष्ठभूमि
- 3.2 प्रेममार्गी शाखा के प्रमुख कवि
- 3.3 मलिक मोहम्मद जायसी और उनका `पद्मावत`
- 3.4 सूफी प्रेमाख्यानों का प्रभाव
- 3.5 प्रेममार्गी शाखा की प्रवृतियाँ

इकाई - 4 रामभक्ति शाखा

- 4.1 रामभक्ति शाखा की पृष्ठभूमि

4.2 रामभक्ति शाखा के भक्त कवि

4.3 रामभक्ति शाखा के भक्त कवि गोस्वामी तुलसीदास

4.4 तुलसीदास की समन्वयवादी भावना

4.5 रामभक्ति शाखा की प्रमुख प्रवृतियाँ

इकाई - 5 कृष्णभक्ति शाखा

5.1 कृष्णभक्ति शाखा की पृष्ठभूमि

5.2 कृष्णभक्ति शाखा के अष्टछाप के कवि

5.3 सूरदास और उनकी रचनाएँ

5.4 कृष्णभक्ति शाखा की प्रवृतियाँ

5.5 भक्तिकाल - हिंदी साहित्य का स्वर्णकाल

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>


1. मध्यकालीन हिन्दी काव्य (सं.) शिवकुमार मिश्र, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिन्दी साहित्य का सुबोघ इतिहास, बाबू गुलाबराय, पुस्तक प्रकाशन, आगरा
4. सूरदास और उनका काव्य, डॉ. मैनेजर पांडे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. गोस्वामी तुलसीदास, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
6. सूरदास, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
7. सूरदास, साहित्य अकादमी, रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली
8. तुलसीदास, साहित्य अकादमी, रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-2

## MNRHIN-202 हिंदी प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ-पठन

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

हिंदी प्रारूपण और टिप्पण कार्यालयी कामकाज से जुड़े हैं तथा प्रूफ रीडिंग प्रकाशन व्यवसाय से संबंधित है जिनकी सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी स्नातक स्तर के छात्रों को होना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर हिंदी टिप्पण और प्रूफ रीडिंग की जानकारी प्राप्त कराना इस प्रश्नपत्र का मुख्य उद्देश्य है।

इकाई - 1 हिंदी प्रारूपण

**1.1** प्रारूपण की परिभाषा

**1.2** प्रारूपण की आवश्यकता

**1.3** प्रारूपण के क्षेत्र

**1.4** प्रारूपण की विशेषताएँ

इकाई - 2 प्रारूपण की रूपरेखा, पद्धतियाँ, शैली और विधि

2.1 प्रारूपण की रूपरेखा

2.2 प्रारूपण की पद्धतियाँ

2.3 प्रारूपण की शैली

2.4 प्रारूपण की विधि

2.5 प्रारूपण का अभ्यास

इकाई - 3 हिंदी टिप्पण लेखन : परिभाषा, उद्देश्य, विशेषताएँ एवं प्रकार

3.1 हिंदी टिप्पण लेखन : परिभाषा

3.2 हिंदी टिप्पण लेखन : उद्देश्य

3.3 हिंदी टिप्पण लेखन : विशेषताएँ

3.4 हिंदी टिप्पण लेखन : प्रकार

3.5 हिंदी टिप्पण लेखन : अभ्यास

इकाई - 4 हिंदी प्रूफ-पठन (प्रूफ रीडिंग)

4.1 मुद्रणालय का परिचय

4.2 प्रूफ-पठन (प्रूफ रीडिंग) की व्यावहारिक शब्दावली

4.3 प्रूफ-पठन (प्रूफ रीडिंग) के संकेत

4.4 प्रूफ पठन में प्रूफ संकेतों का उपयोग

4.5 प्रूफ रीडिंग का अभ्यास

इकाई - 5 कार्यालयी पत्र

5.1 सामान्य सरकारी पत्र और अनुस्मारक

5.2 अर्ध सरकारी पत्र

5.3 आदेश और कार्यालय आदेश

5.4 ज्ञपन और कार्यालय ज्ञपन

5.5 परिपत्र

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>

**1.** देवनागरी हिंदी वर्तनी और अंकों का मानकीकरण, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, दिल्ली **www.rajbhasha.gov.in**

**2.** हिंदी की वर्तनी और शब्द मीमांसा, किशोरीदास वाजपेयी

3. जनसंचार माध्यम और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद

4. भाषिक स्वरूप संरचना और कार्य, डॉ. राम गोपाल सिंह, शांति प्रकाशन, अहमदाबाद

5. हिंदी में सीडिया लेखन और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

6. भाषा विज्ञान, डॉ. राम गोपाल सिंह, आकाश पब्लिशर्स, गाजियाबाद

7. आधुनिक हिंदी व्याकरण, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

8. प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

9. प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

10. प्रारूपण, टिप्पण, प्रूफ पठन, डॉ. भोलानाथ तिवारी और डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद
# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-3

## **MJRHIN**-301.हिन्दी साहित्य का रीतिकाल

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

प्राचीन काल से तात्पर्य है - आदिकाल और मध्यकाल। सही अर्थ में हिन्दी भाषा और साहित्य का विकास आदिकाल से शुरू होता है। इसमें धार्मिक तथा ऐहिक दो प्रकार का साहित्य मिलता है, जो प्रबंध, मुक्तक, रासो, फागु, चरित, सुभाषित आदि विविध काव्यरूपों में अभिव्यंजित है। मध्यकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि के रूप में इसे प्रतिस्थापित किया जाता है। मध्यकालीन काव्य में भक्ति काव्य जहाँ लोकजागरण को स्वर देनेवाला है, वहीं रीतिकाल अपने लौकिक-श्रृंगारिक परिदृश्य में तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक स्थितियों को अच्छी तरह से अभिव्यंजित करता है। अत: भाषा, संस्कृति, विचार, मानवता, काव्यत्व, काव्यरूपता, लौकिकता, पारलौकिकता आदि दृष्टियों से इसका अध्ययन आवश्यक है। इस प्रश्नपत्र में रीतिकाल के प्रमुख कवियों और उनकी रचनाओं विषयक जानकारी छात्रों को दी जाएगी।

इकाई - 1 रीतिकाल : नामकरण, अर्थ, स्वरूप और परिस्थितियाँ

**1.1** रीतिकाल का नामकरण

**1.2** रीतिकाल का अर्थ

**1.3** रीतिकाल का स्वरूप

**1.4** रीतिकालीन विभिन्न परिस्थितियाँ - सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिस्थितियाँ

इकाई - 2 रीतिकालीन काव्यधाराएँ

2.1 रीतिकालीन काव्य

**2.2** रीतिबद्ध काव्यधारा

**2.3** रीतिमुक्त काव्यधारा

**2.4** रीतिसिद्ध काव्यधारा

**2.5** रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृतियाँ

इकाई - 3 रीतिबद्ध काव्यधारा

**3.1** रीतिबद्ध काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ

**3.2** रीतिबद्ध काव्यधारा के साहित्य की विशेषताएँ

**3.3** रीतिबद्ध काव्यधारा की प्रमुख प्रवृतियाँ

**3.4** रीतिबद्ध काव्यधारा के कवियों की छिटपुट कविताएँ

**3.5** रीतिबद्ध काव्यधारा की रचनाओं का काव्य सौंदर्य

इकाई -4 रीतिमुक्त काव्यधारा

4.1 रीतिमुक्त काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ

4.2 रीतिमुक्त काव्यधारा के साहित्य की विशेषताएँ

4.3 रीतिमुक्त काव्यधारा की प्रमुख प्रवृतियाँ

4.4 रीतिमुक्त काव्यधारा के कवियों की छिटपुट कविताएँ

4.5 रीतिमुक्त काव्यधारा की रचनाओं का काव्य सौंदर्य

इकाई - 5 रीतिसिद्ध काव्यधारा

5.1 रीतिसिद्ध काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ

5.2 रीतिसिद्ध काव्यधारा के साहित्य की विशेषताएँ

5.3 रीतिसिद्ध काव्यधारा की प्रमुख प्रवृतियाँ

5.4 रीतिसिद्ध काव्यधारा के कवियों की छिटपुट कविताएँ

5.5 रीतिसिद्ध काव्यधारा की रचनाओं का काव्य सौंदर्य

संदर्भ ग्रंथ


1. 'हे मराल को मानसर, एकै ठोर रहीम' पुस्तक में से, (सं.) प्राणनाथ पंकज, रूपा एण्ड कंपनी, नई दिल्ली
2. बिहारी एवं मीरा के दोहे, मध्यकालीन हिन्दी काव्य- पुस्तक में से, शिवकुमार मिश्र, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
3. ये रहीम दर-दर फिरहि (रहीम दोहावली), (संपादन एवं व्याख्या) डॉ. श्रीकांत उपाध्याय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास, बाबू गुलाबराय, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल पुस्तक प्रकाशक एवं विक्रेता, आगरा
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. मीराबाई (सं.) ललिता प्रसाद शुक्ल, हिन्दी साहित्य संमेलन, प्रयाग
7. मीरा का काव्य, डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना, डॉ. बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. बिहारी वाग्विभूति, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
10. हिन्दी साहित्य कोश, भाग-1-2, (सं.) डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी
11. सन्त साहित्य कोश (सं.) श्री रमेशचंद्र मिश्र
12. रहीम (सं.) साहित्य अकादमी, रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली
13. बिहारी (सं.) साहित्य अकादमी, रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली
14. मीरा (सं.) साहित्य अकादमी, रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-3

## **MJRHIN**-302.हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

विद्यार्थी हिंदी साहित्य से तथा हिंदी साहित्य की प्रगति एवं विकास से परिचित हों, इस उद्देश्य से उन्हें हिंदी साहित्य के आधुनिक काल के साहित्य की जानकारी देना आवश्यक हो जाता है। अतः इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत हिंदी साहित्य के आधुनिक काल का अध्ययन छात्रों को कराया जाएगा।

इकाई - 1 आधुनिक काल

- **1.1** नामकरण
- **1.2** पृष्ठभूमि
- **1.3** परिस्थितियाँ : राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक
- **1.4** खड़ी बोली गद्य की स्थिति
- **1.5** खड़ी बोली गद्य का स्वरूप

इकाई - 2 फोर्ट विलियम कॉलेज और उसके भाषा मुंशी

- 2.1 फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना और उसके कार्य
- 2.2 फोर्ट विलियम कॉलेज के भाषा मुंशी लल्लूलाल जी और उनकी कृतियाँ
- 2.3 फोर्ट विलियम कॉलेज के भाषा मुंशी इंशा अल्ला खाँ और उनकी कृतियाँ
- 2.4 फोर्ट विलियम कॉलेज के भाषा मुंशी सदल मिश्र और उनकी कृतियाँ
- 2.5 फोर्ट विलियम कॉलेज के भाषा मुंशी सदासुखलाल और उनकी कृतियाँ

इकाई - 3 भारतेंदु युग

- 3.1 पुनर्जागरण काल
- 3.2 भारतेन्दु युगीन पृष्ठभूमि : राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक
- 3.3 भारतेन्दु युगीन काव्य-प्रवृत्तियाँ
- 3.4 भारतेन्दु युग के प्रमुख रचनाकार
- 3.5 भारतेन्दु कालीन गद्य का विकास : नाटक, उपन्यास, कहानी, निबंध, पत्र-पत्रिकाएँ

इकाई - 4 द्विवेदी युग

- 4.1 पृष्ठभूमि
- 4.2 द्विवेदी युगीन काव्य-प्रवृत्तियाँ
- 4.3 द्विवेदी युगीन प्रमुख कवि और उनकी कृतियाँ
- 4.4 द्विवेदी युगीन गद्य साहित्य : उपन्यास, कहानी, निबंध, आलोचना, जीवनी, पत्र-पत्रिकाएँ
- 4.5 द्विवेदी युग की प्रमुख कृतियाँ

इकाई -5 द्विवेदी युग के प्रमुख रचनाकार और उनकी रचनाएँ

5.1 आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
5.2 मैथिलीशरण गुप्त
5.3 प्रतापनारायण मिश्र
5.4 अयोध्या सिंह उपाध्याय `हरिऔध`
5.5 बदरी प्रसाद चौधरी `प्रेमघन`

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>


1. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ. ओमप्रकाश गुप्ता, डॉ. वीरेन्द्रनारायण सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, सृष्टि बुक डिस्ट्रिब्यूटर्स
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ. नगेन्द्र
4. मध्यकालीन रासो साहित्य, भारती मधुकान्त वैद्य, के.के.वोरा, वोरा एण्ड कम्पनी
5. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास, आचार्य प्रसाद द्विवेदी
6. आधुनिक हिन्दी साहित्य का आदिकाल, श्री नारायण चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
7. भारतीय इतिहास कोश, डॉ. एस.एल.नागोरी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
8. हिन्दी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ, डॉ. शिवकुमार शर्मा
9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. हिन्दी साहित्य, धीरेन्द्र वर्मा, जगदीश गुप्त
11. हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ. सुधीन्द्र कुमार, अनीता श्रीवास्तव
12. इतिहास और आलोचना, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. हिन्दी व्दितीय महासमरोत्तर साहित्य का इतिहास, डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद
# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-3

## MNRHIN—303 हिंदी कम्प्यूटिंग

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

हिंदी कंप्यूटिंग सभी तरह के कामकाज से जुड़ा हुआ है तथा हिंदी कंप्यूटिंग की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी स्नातक स्तर के छात्रों को होना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर हिंदी कंप्यूटिंग की जानकारी प्राप्त कराना इस प्रश्नपत्र का मुख्य उद्देश्य है।

इकाई - 1 हिंदी कंप्यूटिंग का परिचयात्मक इतिहास

1.1 कम्प्यूटर की विभिन्न पीढ़ियाँ
1.2 भारत में कम्प्यूटर का आगमन
1.3 कम्प्यूटर की प्रोग्रामिंग भाषाएँ
1.4 सूचना प्रोद्योगिकी और कम्प्यूटर
1.5 कम्प्यूटर की कार्य प्रणाली

इकाई - 2 हिंदी कंप्यूटिंग की संरचना

2.1 कम्प्यूटर की संरचना
2.2 कम्प्यूटर के प्रकार
2.3 कम्प्यूटर के अवयवों से कम्प्यूटर की कार्य प्रणाली का तालमेल
2.4 कम्प्यूटर के विविध अंग
2.5 कम्प्यूटर संचालन

इकाई - 3 देवनागरी हिंदी कंप्यूटिंग

3.1 देवनागरी कम्प्यूटर : सामान्य परिचय
3.2 देवनागरी कम्प्यूटर : कार्य पद्धति
3.3 हिंदी फोंट
3.4 हिंदी सॉफ्टवेयर
3.5 कम्प्यूटर में हिंदी भाषा का प्रयोग

इकाई - 4 हिंदी कंप्यूटिंग में कामकाज हेतु सुविधाएँ

4.1 हिंदी में कंप्यूटर सुविधाएँ
4.2 इंटरनेट और सर्च इंजन
4.3 यूनीकोड और हिंदी यूनीकोड फोंट का उपयोग
4.4 हिंदी इंडिक इनपुट-2 यूजर गाइड
4.5 कंप्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और वायरस

इकाई - 5 हिंदी कंप्यूटिंग की पारिभाषिक शब्दावली

5.1 डाक व्यवस्थापक **(Mail Manager)**

5.2 व्यक्तिगत सूचना व्यवस्थापक **(Personal Information Manager)**

5.3 संवाद **(Chat)** और मनोरंजन **(Entertainment)**

5.4 पाठांश व्यवस्थापक **(Text editor)**

5.5 सिस्टम विन्यासक **(System setting)**

5.6 ओनलाइन परिवर्धन **(Online update)**

5.7 ब्रोसर **(Browser)**

5.8 पाठ वाचक **(Text Narrator)**

5.9 गूगल अनुवाद **(Google Translation)**

**5.10** वॉइस से टेक्स्ट **(Voice to Text)**

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>

**1.** राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, दिल्ली **www.rajbhasha.gov.in**

**2.** संचार, सूचना, कम्प्यूटर और प्रयोजनमूलक हिंदी जगत, डॉ. सु. नागलक्ष्मी

3. जनसंचार माध्यम और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद

4. भाषिक स्वरूप संरचना और कार्य, डॉ. राम गोपाल सिंह, शांति प्रकाशन, अहमदाबाद

5. हिंदी में सीडिया लेखन और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

6. भाषा विज्ञान, डॉ. राम गोपाल सिंह, आकाश पब्लिशर्स, गाजियाबाद

7. आधुनिक हिंदी व्याकरण, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

8. प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

9. प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

10. कम्प्यूटर और हिंदी, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

11.हिंदी कम्प्यूटिंग, डॉ. राम गोपाल सिंह, आकाश पब्लिशर्स, गाजियाबाद

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-4

## **MJRHIN**-401.हिन्दी साहित्य : छायावाद

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

आधुनिक हिन्दी कविता की लगभग डेढ़ सौ वर्ष की लंबी विकास यात्रा को किसी एक प्रश्नपत्र में समेट पाना व्यावहारिक दृष्टि से उचित नहीं है। अत: छायावाद के काव्य विकास को एक प्रश्नपत्र में बाँटना अनिवार्य है। छायावाद के प्रमुख कवियों तथा उनकी कविताओं को छायावादी काव्य में शामिल किया गया है जिससे विद्यार्थी कविता के छायावाद के दौर में आए प्रत्येक मोड़ के साथ कविता और तत्कालीन परिस्थितियों से अवगत हो सकें।

इकाई - 1 छायावाद का अर्थ, स्वरूप, व्याख्या और वाद विशेष

- **1.1** छायावाद का अर्थ
- **1.2** छायावाद का स्वरूप
- **1.3** छायावाद की व्याख्या
- **1.4** छायावाद - एक विशेष वाद के रूप में
- **1.5** पश्चिमी जगत का रोमांटिजिस्म

इकाई - 2 छायावाद के प्रमुख कवि

- 2.1 जयशंकर प्रसाद
- 2.2 सुमित्रानंदन पंत
- 2.3 सूर्यकांत त्रिपाठी `निराला`
- 2.4 महादेवी वर्मा

इकाई - 3 छायावादी काव्य की प्रवृतियाँ

- 3.1 व्यक्तिवाद की प्रधानता
- 3.2 प्रकृति चित्रण
- 3.3 नारी के सौंदर्य और प्रेम का चित्रण
- 3.4 रहस्यवाद
- 3.5 युगबोध
- 3.6 प्रतीकात्मकता
- 3.7 चित्रात्मक भाषा और गेयता

इकाई - 4 छायावाद की प्रमुख रचनाएँ

- 4.1 लहर
- 4.2 जुही की कली
- 4.3 लोकायतन

4.4 यामा

4.5 छायावाद की प्रमुख रचनाओं की काव्यगत विशेषताएँ

इकाई - 5 छायावाद के अन्य प्रमुख रचनाकार

5.1 माखनलाल चतुर्वेदी

5.2 रामधारी सिंह `दिनकर`

5.3 हरिवंशराय बच्चन

5.4 शिवमंगल सिंह सुमन

5.5 छायावादी रचनाओं की काव्यगत विशेषताएँ

संदर्भ ग्रंथ


1. हिन्दी कविता : तीन दशक, डॉ. रामदरश मिश्र
2. हिंदी साहित्य का इतिहास, विजयेंद्र स्नातक
3. हिंदी साहित्य का इतिहास, जयनारायण वर्मा
4. आधुनिक हिंदी साहित्य, लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
5. नया काव्य : नये मूल्य, डॉ. ललित शुक्ल
6. समकालीन कविता, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
7. हिंदी साहित्य का प्रवृतिपरक इतिहास, डॉ. सभापति मिश्र
8. आधुनिक हिन्दी काव्य का स्वरूप और विकास, डॉ. आशा किशोर, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता, डॉ. अनंत मिश्र, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
10. नया हिन्दी काव्य, डॉ. शिवकुमार मिश्र

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-4

## **MJRHIN**-402 हिन्दी साहित्य : प्रगतिवाद और प्रयोगवाद

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

छायावाद के बाद वैसे भी कविता क्षेत्र में कई आयाम जुडे; यथा - प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता आदि। अतः इन वादों के प्रमुख कवियों तथा उनकी कविताओं को छायावादोत्तर प्रगतिवाद और प्रयोगवाद विषयक काव्य में शामिल किया गया है जिससे विद्यार्थी प्रगतिवाद और प्रयोगवाद विषयक कविता के दौर में आए प्रत्येक मोड़ और तत्कालीन परिस्थितियों से अवगत हो सकें।

इकाई - 1 प्रगतिवाद : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, युगीन परिस्थितियाँ

**1.1** प्रगतिवाद : अर्थ

**1.2** प्रगतिवाद : परिभाषा

**1.3** प्रगतिवाद : अभिप्राय और स्वरूप

**1.4** प्रगतिवाद : युगीन परिस्थितियाँ

**1.5** प्रगतिवाद की प्रमुख विशेषताएँ

इकाई - 2 प्रगतिवाद के प्रमुख कवि

2.1 नागार्जुन और उनकी रचना `युगधारा`

2.2 नागार्जुन की कविता की काव्यगत विशेषताएँ

2.3 केदारनाथ अग्रवाल और उनकी रचना `युग की गंगा`

2.4 केदारनाथ अग्रवाल की कविता की काव्यगत विशेषताएँ

2.5 त्रिलोचन और उनकी रचना `ताप के ताये हुए दिन`

2.6 त्रिलोचन की कविता की काव्यगत विशेषताएँ

इकाई - 3 प्रयोगवाद : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, युगीन परिस्थितियाँ

**3.1** प्रयोगवाद : अर्थ

**3.2** प्रयोगवाद : परिभाषा

**3.3** प्रयोगवाद : अभिप्राय और स्वरूप और प्रेरक तत्व

**3.4** प्रयोगवाद : युगीन परिस्थितियाँ

**3.5** प्रगतिवाद की प्रमुख विशेषताएँ

3.6 तार सप्तक

इकाई - 4 प्रयोगवाद के प्रमुख कवि

4.1 अज्ञेय और उनकी रचना `कितनी नावों में कितनी बार`

4.2 अज्ञेय की कविता की काव्यगत विशेषताएँ

4.3 धर्मवीर भारती और उनकी रचना `अंधायुग`

4.4 धर्मवीर भारती की कविता की काव्यगत विशेषताएँ

4.5 नरेश मेहता और उनकी रचना `संशय की एक रात`

4.6 नरेश मेहता की कविता की काव्यगत विशेषताएँ

इकाई -5 प्रगतिवाद और प्रयोगवाद के अन्य कवि

5.1 भवानीप्रसाद मिश्र और उनकी रचना `गीत फरोश`

5.2 भवानीप्रसाद मिश्र की कविता की काव्यगत विशेषताएँ

5.3 भारतभूषण अग्रवाल और उनकी रचना `कागज के फूल`

5.4 भारतभूषण अग्रवाल की कविता की काव्यगत विशेषताएँ

5.5 कुँवर नारायण और उनकी रचना `आत्मजयी`

5.6 कुँवर नारायण की कविता की काव्यगत विशेषताएँ

संदर्भ ग्रंथ


1. हिंदी साहित्य का प्रवृतिपरक इतिहास, डॉ. सभापति मिश्र
2. हिंदी साहित्य का इतिहास, कमल नारायण टंडन
3. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद प्रकाशन, आगरा
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिन्दी साहित्य का सुबोघ इतिहास, बाबू गुलाबराय, पुस्तक प्रकाशन, आगरा
6. हिंदी साहित्य का इतिहास, जयनारायण वर्मा
7. हिंदी साहित्य का इतिहास, शिवकुमार शर्मा
8. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. माधव सोनटक्के
9. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. विजयेंद्र स्नातक
10 हिन्दी कविता : तीन दशक, डॉ. रामदरश मिश्र
11. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. नगेंद्र
12. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास, बाबू गुलाब राय
13. हिंदी साहित्य का आदिकाल, डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
14. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा
15. हिंदी साहित्य का आदिकाल, डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा
16. हिंदी साहित्य : युग एवं प्रवृतियाँ, डॉ. विजयपाल सिंह
17. अज्ञेय : एक अध्ययन, डॉ. भोलाभाई पटेल
18. नागार्जुन : एक अध्ययन, डॉ. ललित अरोडा
19. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता, डॉ. अनंत मिश्र, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद
## बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-4
### **MJRHIN**-403 हिन्दी साहित्य : नई कविता

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

छायावाद, प्रगतिवाद और प्रयोगवाद के बाद नई कविता के क्षेत्र में कई आयाम जुडे। नई कविता, समकालीन कविता आदि नामाभिधानों के साथ नई कविता आगे बढ़ी। अत: नई कविता के प्रमुख कवियों तथा उनकी कविताओं को इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत शामिल किया गया है जिससे विद्यार्थी नई कविता के दौर में आए प्रत्येक मोड़ और तत्कालीन परिस्थितियों से अवगत हो सकें।

इकाई - 1 नई कविता : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, युगीन परिस्थितियाँ और शिल्पगत विशेषताएँ

1,1 नई कविता : अर्थ

**1.2** नई कविता : परिभाषा

**1.3** नई कविता: अभिप्राय और स्वरूप

**1.4** नई कविता : युगीन परिस्थितियाँ

**1.5** नई कविता की शिल्पगत विशेषताएँ

इकाई - 2 साठ के दशक की नई कविता का अर्थ, स्वरूप और प्रमुख शिल्पगत विशेषताएँ

2.1 साठ के दशक की नई कविता : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप

2.2 साठ के दशक की नई कविता की प्रमुख प्रवृतियाँ

2.3 साठ के दशक की नई कविता की काव्यगत विशेषताएँ

2.4 साठ के दशक की नई कविता की शिल्पगत विशेषताएँ

2.5 साठ के दशक की नई कविता के प्रमुख कवि और उनकी काव्य रचनाएँ

इकाई - 3 सत्तर और अस्सी के दशक की नई कविता का अर्थ, स्वरूप और प्रमुख शिल्पगत विशेषताएँ

3.1 सत्तर और अस्सी के दशक की नई कविता : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप

3.2 सत्तर और अस्सी के दशक की नई कविता की प्रमुख प्रवृतियाँ

3.3 सत्तर और अस्सी के दशक की नई कविता की काव्यगत विशेषताएँ

3.4 सत्तर और अस्सी के दशक की नई कविता की शिल्पगत विशेषताएँ

3.5 सत्तर और अस्सी के दशक की नई कविता के प्रमुख कवि और उनकी काव्य रचनाएँ

इकाई - 4 विगत सदी के अंतिम दशक नई कविता का अर्थ, स्वरूप और प्रमुख शिल्पगत विशेषताएँ

4.1 विगत सदी के अंतिम दशक की नई कविता : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप

4.2 विगत सदी के अंतिम दशक की नई कविता की प्रमुख प्रवृतियाँ

4.3 विगत सदी के अंतिम दशक की नई कविता की काव्यगत विशेषताएँ

4.4 विगत सदी के अंतिम दशक की नई कविता की शिल्पगत विशेषताएँ

4.5 विगत सदी के अंतिम दशक की नई कविता के प्रमुख कवि और उनकी काव्य रचनाएँ

इकाई - 5 वर्तमान सदी के आरंभिक दो दशकों की नई कविता का अर्थ, स्वरूप और प्रमुख शिल्पगत विशेषताएँ

5.1 वर्तमान सदी के आरंभिक दो दशकों की नई कविता : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप

5.2 वर्तमान सदी के आरंभिक दो दशकों की नई कविता की प्रमुख प्रवृतियाँ

5.3 वर्तमान सदी के आरंभिक दो दशकों की नई कविता की काव्यगत विशेषताएँ

5.4 वर्तमान सदी के आरंभिक दो दशकों की नई कविता की शिल्पगत विशेषताएँ

5.5 वर्तमान सदी के आरंभिक दो दशकों की नई कविता के प्रमुख कवि और उनकी काव्य रचनाएँ

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>


1. हिंदी साहित्य का प्रवृतिपरक इतिहास, डॉ. रमापति मिश्र
2. हिंदी साहित्य का इतिहास, कमल नारायण टंडन
3. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद प्रकाशन, आगरा
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिन्दी साहित्य का सुबोघ इतिहास, बाबू गुलाबराय, पुस्तक प्रकाशन, आगरा
6. हिंदी साहित्य का इतिहास, जयनारायण वर्मा
7. हिंदी साहित्य का इतिहास, शिवकुमार शर्मा
8. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. माधव सोनटक्के
9. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. विजयेंद्र स्नातक
10. हिन्दी कविता : तीन दशक, डॉ. रामदरश मिश्र
11. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. नगेंद्र
12. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास, बाबू गुलाब राय
13. हिंदी साहित्य का आदिकाल, डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
14. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा
15. हिंदी साहित्य का आदिकाल, डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा
16. हिंदी साहित्य : युग एवं प्रवृतियाँ, डॉ. विजयपाल सिंह
17. अज्ञेय : एक अध्ययन, डॉ. भोलाभाई पटेल
18. नागार्जुन : एक अध्ययन, डॉ. ललित अरोडा
19. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता, डॉ. अनंत मिश्र, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

## बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-4

### MNRHIN—404 राजभाषा हिंदी

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

स्वतंत्र भारत में भारतीय संविधान के लागू होने के परिणामस्वरूप संविधान सम्मत राजभाषा नीति लागू हुई है। कार्यालयी कामकाज सभी सरकारी क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है। अतः राजभाषा हिंदी की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी स्नातक स्तर के छात्रों को होना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर राजभाषा हिंदी की जानकारी प्राप्त कराना इस प्रश्नपत्र का मुख्य उद्देश्य है।

इकाई -1 राजभाषा हिंदी की संवैधानिक व्यवस्था

**1.1** भारतीय संविधान का भाग-5, अनुच्छेद-120, संसद की भाषा

**1.2** भारतीय संविधान का भाग-6, अनुच्छेद-210, राज्य की विधानसभाओं के संबंध में निर्देश

**1.3** भारतीय संविधान का भाग-17

**1.3.1** पहला अध्याय, अनुच्छेद-343 और 344, संघ की भाषा

**1.3.2** दूसरा अध्याय, अनुच्छेद-345, 346 और 347, राजभाषा के रूप में प्रांतीय भाषाओं का प्रयोग

**1.3.3** तीसरा अध्याय, अनुच्छेद-348 और 349, उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय की भाषा

**1.3.4** चौथा अध्याय-350 और 351, किसी व्यथा के निवारण के लिए अभ्यावेदन में प्रयुक्त भाषा तथा हिंदी भाषा के उत्तरोत्तर विकास के संबंध में निर्देश

इकाई - 2 राजभाषा हिंदी की संवैधानिक व्यवस्था का कार्यान्वयन

2.1 हिंदी के प्रयोग संबंधी राष्ट्रपति का आदेश-1952

2.2 हिंदी के प्रयोग संबंधी राष्ट्रपति का आदेश-1955

2.3 राजभाषा आयोग-1955

2.4 संसदीय राजभाषा समिति-1957

2.5 हिंदी के प्रयोग संबंधी राष्ट्रपति का आदेश-1960

इकाई - 3 राजभाषा अधिनियम

3.1 राजभाषा अधिनियम, 1963

3.2 राजभाषा (संशोधित) अधिनियम, 1967

3.3 संसद द्वारा पारित संकल्प, 1968

इकाई - 4 राजभाषा नियम, 1976

4.1 राजभाषा नियम, 1976 का परिचय

4.2 राजभाषा नियम, 1976 के प्रावधान

4.3 राजभाषा नियम, 1976 के अनुसार, क, ख और ग क्षेत्र के रूप में विभाजन

4.4 राजभाषा नियम, 1976 का अमलीकरण

इकाई - 5 संवैधानिक परिप्रेक्ष्य में राजभाषा हिंदी का विकास

5.1 राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय

5.2 केंद्रीय हिंदी निदेशालय

5.3 केंद्रीय हिंदी संस्थान

5.4 वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग

5.5 केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो

5.6 केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान और हिंदी शिक्षण योजना

5.7 राजभाषा हिंदी में कंप्यूटर सुविधाएँ

5.8 राजभाषा हिंदी विषयक राजभाषा विभाग के विभिन्न सॉफ्टवेयर

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>


1. राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, दिल्ली **www.rajbhasha.gov.in**
2. संचार, सूचना, कम्प्यूटर और प्रयोजनमूलक हिंदी जगत, डॉ. सु. नागलक्ष्मी
3. जनसंचार माध्यम और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद
4. भाषिक स्वरूप संरचना और कार्य, डॉ. राम गोपाल सिंह, शांति प्रकाशन, अहमदाबाद
5. हिंदी में सीडिया लेखन और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
6. भाषा विज्ञान, डॉ. राम गोपाल सिंह, आकाश पब्लिशर्स, गाजियाबाद
7. आधुनिक हिंदी व्याकरण, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
8. प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
9. प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
10. कम्प्यूटर और हिंदी, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
11. हिंदी कम्प्यूटिंग, डॉ. राम गोपाल सिंह, आकाश पब्लिशर्स, गाजियाबाद
12. राजभाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. राम गोपाल सिंह, आकाश पब्लिशर्स, गाजियाबाद

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद
# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-5

## **MJRHIN**-501 हिन्दी साहित्य : आधुनिक हिंदी कहानी

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

हिंदी कथा साहित्य अत्यंत विशाल एवं जीवंत है जिसमें भारतीय समाज के मानव जीवन के विविध पक्षों का यथातथ्य रूप से उद्घाटन हुआ है जिसकी जानकारी छात्रों को देने से उनका ज्ञान वर्धन तो होगा ही; साथ ही, वे हिंदी कथा साहित्य के माध्यम से समाज का जीवंत साक्षात्कार भी करेंगे। उनके आगामी जीवन पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ना लाजिमी है। कथा साहित्य के बारे में छात्रों को विधिवत एवं व्यापक जानकारी प्राप्त हो, इस उद्देश्य से आधुनिक हिंदी कहानी का अध्ययन इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत कराया जाएगा।

इकाई - 1 हिन्दी कहानी साहित्य

**1.1** कहानी का अर्थ एवं परिभाषा

**1.2** कहानी का स्वरूप

**1.3** कहानी की विकास विकास यात्रा

**1.3.1** पूर्व प्रेमचंद युग की हिंदी कहानी और उसकी विकास यात्रा

**1.3.2** प्रेमचंद युग की हिंदी कहानी और उसकी विकास यात्रा

**1.3.3** प्रेमचंदोत्तर युग की हिंदी कहानी और उसकी विकास यात्रा

इकाई - 2 हिन्दी कहानी के तत्व

2.1 कथावस्तु

2.2 देशकाल और वातावरण

2.3 पात्र एवं चरित्रचित्रण

2.4 कथोपकथन एवं संवाद योजना

2.5 भाषा एवं शैली

2.6 उद्देश्य

इकाई - 3 पूर्व प्रेमचंद युग के प्रमुख हिंदी कहानीकार

3.1 माधव राव सप्रे : `एक टोकरी भर मिट्टी`

3.2 किशोरीलाल गोस्वामी : `इंदुमती`

3.3 बंग महिला : `दुलाईवाली`

3.4 वृंदावनलाल वर्मा : `राखी बँधवाई`

3.5 उपर्युक्त कहानियों की तात्विक समीक्षा

इकाई - 4 प्रेमचंद युग के प्रमुख हिंदी कहानीकार

**4.1** प्रेमचंद : `कफन`

**4.2** जैनेंद्र : `पाजेब`

**4.3** चंद्रधर शर्मा गुलेरी : `उसने कहा था`

**4.4** जयशंकर प्रसाद : `आकाशदीप`

**4.5** उपर्युक्त कहानियों की तात्विक समीक्षा

इकाई - 5 प्रेमचंदोत्तर युग के प्रमुख हिंदी कहानीकार

**5.1** उषा प्रियंवदा : `वापसी`

5.2 मोहन राकेश : `मलवे का मालिक`

5.3 मन्नू भंडारी : मैं` डर गई`

5.4 भीष्म साहनी : `चीफ की दावत`

5.5 उपर्युक्त कहानियों की तात्विक समीक्षा

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>


1. नई कहानी – संदर्भ और प्रकृति, देवी शंकर अवस्थी
2. मोहन राकेश : प्रतिनिधि कहानियाँ, (सं.) मोहन गुप्त
3. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार, विश्वनाथ त्रिपाठी
4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कथा साहित्य और ग्राम, विवेकी राय
5. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. माधव सोनटक्के
6. मन्नू भंडारी की कहानियों में आधुनिकता बोध, प्रा. उमा केवलराम
7. आधुनिकता और हिन्दी साहित्य ( कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास), इन्द्रनाथ मदान
8. प्रेमचंद (सं.) सत्येन्द्र
9. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी
10. हिंदी साहित्य का प्रवृतिपरक इतिहास, डॉ. रमापति मिश्र
11. हिंदी साहित्य का इतिहास, कमल नारायण टंडन
12. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद प्रकाशन, आगरा
13. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. हिन्दी साहित्य का सुबोघ इतिहास, बाबू गुलाबराय, पुस्तक प्रकाशन, आगरा
15. हिंदी साहित्य का इतिहास, जयनारायण वर्मा
16. हिंदी साहित्य का इतिहास, शिवकुमार शर्मा

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-5

## **MJRHIN**-502 हिन्दी साहित्य : आधुनिक हिंदी उपन्यास

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

हिंदी उपन्यास साहित्य अत्यंत विशाल एवं जीवंत है जिसमें भारतीय समाज के मानव जीवन के विविध पक्षों का यथातथ्य रूप से उद्घाटन हुआ है जिनकी जानकारी छात्रों को देने से उनका ज्ञान वर्धन तो होगा ही; साथ ही, वे आधुनिक हिंदी उपन्यास साहित्य के माध्यम से समाज से जीवंत साक्षात्कार भी करेंगे। उनके आगामी जीवन पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ना लाजिमी है। उपन्यास साहित्य के बारे में छात्रों को विधिवत एवं व्यापक जानकारी प्राप्त हो, इस उद्देश्य से इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत आधुनिक हिंदी उपन्यास विधा को रखा गया है।

इकाई - 1 हिन्दी का उपन्यास साहित्य

**1.1** उपन्यास का अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा

**1.2** हिंदी उपन्यास का उद्भव

**1.3** हिंदी उपन्यास की विकास यात्रा

**1.3.1** पूर्व प्रेमचंद युग का हिंदी उपन्यास साहित्य और उसकी विकास यात्रा

**1.3.2** प्रेमचंद युग का हिंदी उपन्यास साहित्य और उसकी विकास यात्रा

**1.3.3** प्रेमचंदोत्तर युग का हिंदी उपन्यास साहित्य और उसकी विकास यात्रा

इकाई - 2 हिन्दी उपन्यास के तत्व

2.1 कथावस्तु

2.2 देशकाल और वातावरण

2.3 पात्र एवं चरित्र चित्रण

2.4 कथोपकथन एवं संवाद योजना

2.5 भाषा एवं शैली

2.6 उद्देश्य

इकाई - 3 पूर्व प्रेमचंद युग के प्रमुख हिंदी उपन्यासकार और उनके प्रमुख उपन्यास

3.1 पूर्व प्रेमचंद युग के प्रमुख हिंदी उपन्यासकार

3.2 पूर्व प्रेमचंद युग के प्रमुख हिंदी उपन्यासकारों के उपन्यास

3.3 लाला श्रीनिवासदास : `परीक्षा गुरु` का विशेष अध्ययन

3.4 उपर्युक्त उपन्यास की तात्विक समीक्षा

इकाई - 4 प्रेमचंद युग के प्रमुख हिंदी उपन्यासकार और उनके प्रमुख उपन्यास

**4.1** प्रेमचंद युग के प्रमुख हिंदी उपन्यासकार

**4.2** प्रेमचंद युग के प्रमुख हिंदी उपन्यासकारों के उपन्यास

**4.3** प्रेमचंद : `निर्मला` का विशेष अध्ययन

**4.4** उपर्युक्त उपन्यास की तात्विक समीक्षा

इकाई -5 प्रेमचंदोत्तर युग के प्रमुख हिंदी उपन्यासकार और उनके प्रमुख उपन्यास

5.1 प्रेमचंदोत्तर युग के प्रमुख हिंदी उपन्यासकार

5.2 प्रेमचंदोत्तर युग के प्रमुख हिंदी उपन्यासकारों के उपन्यास

5.3 कमलेश्वर : `समुद्र में खोया हुआ आदमी` का विशेष अध्ययन

5.4 उपर्युक्त उपन्यास की तात्विक समीक्षा

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>


1. मोहन राकेश : प्रतिनिधि कहानियाँ, (सं.) मोहन गुप्त
2. हिन्दी उपन्यास : एक अनंतयात्रा, (सं.) अशोक वाजपेयी
3. उपन्यास : स्थिति और गति, डॉ. चंद्रकान्त बांदिवडेकर
4. हिन्दी उपन्यास और यर्थादवाद, डॉ. त्रिभुवन सिंह
5. साठोत्तर हिन्दी उपन्यास और नगरबोध, डॉ. प्रिया नायक
6. प्रेमचंद एवं समकालीन भारतीय उपन्यासकार, डॉ. श्रीमती कलावती
7. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कथा साहित्य और ग्राम जीवन, विवेकी राय
8. आधुनिकता और हिन्दी साहित्य ( कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास), इन्द्रनाथ मदान
9. हिन्दी उपन्यास साहित्य में दाम्पत्य जीवन, डॉ. उर्मिला भटनागर
10. प्रेमचंद (सं.) सत्येन्द्र
11. साठोत्तरी हिन्दी उपन्यासों का शिल्प, डॉ. शोभा बेरेकर
12. हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष (सं.) रामदरश मिश्र
13. गोदान, प्रेमचंद, नेपल प्रेस प्राइवेट लि., नोएडा

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-5

**MJRHIN**-503 हिन्दी साहित्य : आधुनिक हिंदी नाटक

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

साहित्य में जितना महत्त्व पद्य का है, उतना ही महत्व गद्य साहित्य का भी है। आधुनिक काल में जहाँ कविता के क्षेत्र में कई मोड़ आए, वहीं गद्य के क्षेत्र में विभिन्न नई विधाओं का विकास भी हुआ। नाटक के क्षेत्र में कई मोड़ आए। नाटक, दृश्य और श्रव्य, दोनों का आस्वाद एक ही साथ कराता है, इसलिए 'काव्येषु नाटकम् रम्यम्' कहा गया है। भारतेन्दु से प्रारंभ होकर नाट्य विधा नए आयामों को छूते हुए आज जिस मुकाम पर है, उसका अध्ययन जीवन की अनुभूतियों, संवेदनाओं तथा विविध परिस्थितियों के साक्षात्कार हेतु सर्वथा अपेक्षित है। अतः इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत आधुनिक नाटक साहित्य के संबंध में छात्रों को जानकारी प्रस्तुत की जाएगी।

इकाई – 1 हिन्दी का नाट्य साहित्य

**1.1** नाटक : अर्थ, स्वरूप एवं व्याख्या

**1.2** नाटक के तत्व - कथावस्तु, देशकाल और वातावरण, पात्र एवं चरित्रचित्रण, कथोपकथन एवं संवाद योजना, भाषा एवं शैली, रंगमंचीयता और उद्देश्य

**1.3** नाटक, रंगमंच और अभिनेयता

**1.4** नाटक और एकांकी

**1.5** नाटक की विकासयात्रा

**1.5.1** भारतेन्दु काल में हिंदी नाटक की विकासयात्रा

**1.5.2** प्रसाद काल में हिंदी नाटक की विकासयात्रा

**1.5.3** प्रसादोत्तर काल में हिंदी नाटक की विकासयात्रा

इकाई - 2 भारतेन्दु युगीन हिंदी नाटक

2.1 भारतेंदु हरिश्चंद्र : `भारत दुर्दशा` नाटक का विशेष अध्ययन

2.2 `भारत दुर्दशा` नाटक की नाट्यगत विशेषताएँ

2.3 `भारत दुर्दशा` नाटक की तात्विक विशेषताएँ

2.4 `भारत दुर्दशा` नाटक का शिल्प विधान

इकाई - 3 प्रसाद युगीन हिंदी नाटक

3.1 जयशंकर प्रसाद : `ध्रुवस्वामिनी` नाटक का विशेष अध्ययन

3.2 `ध्रुवस्वामिनी` नाटक की नाट्यगत विशेषताएँ

3.3 `ध्रुवस्वामिनी` नाटक की तात्विक विशेषताएँ

3.4 `ध्रुवस्वामिनी` नाटक का शिल्प विधान

इकाई - 4 प्रसादोत्तर हिंदी नाटक

4,1 सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : `बकरी` नाटक का विशेष अध्ययन

4.2 `बकरी` नाटक की नाट्यगत विशेषताएँ

4.3 `बकरी` नाटक की तात्विक विशेषताएँ

4.4 `बकरी` नाटक का शिल्प विधान

4.4.1 भाषा

4.4.2 रंगमंचीयता

4.4.3 प्रतीकात्मकता

4.4.5 व्यंग्य

इकाई - 5 हिन्दी एकांकी साहित्य

**5.1** एकांकी : अर्थ, स्वरूप एवं व्याख्या

**5.2** एकांकी के तत्व - कथावस्तु, देशकाल और वातावरण, पात्र एवं चरित्रचित्रण, कथोपकथन एवं संवाद योजना, भाषा एवं शैली, रंगमंचीयता और उद्देश्य

**5.3** एकांकी, रंगमंच और अभिनेयता

**5.4** आधुनिक एकांकी की विकासयात्रा

**5.5** उपेंद्रनाथ अश्क : `सूखी डाली` एकांकी

**5.6** जगदीशचंद्र माथुर :` भोर का तारा` एकांकी

**5.7** सुरेंद्र वर्मा : `नाक से बोलते` एकांकी

**5.8** उपर्युक्त एकांकियों की एकांकी विषयक विशेषताएँ

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>


**1.** हिन्दी नाटक, डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

**2.** स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाट्य, रामजन्म शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

**3.** समकालीन हिन्दी नाटककार, गिरीश रस्तोगी, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली

**4.** हिन्दी नाटक और रंगमंच : पहचान और परख, इन्द्रनाथ मदान

**5.** समसामयिक हिन्दी नाटकों में चरित्र सृष्टि, जयदेव तनेजा, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली

**6.** नाट्यभाषा, गिरीश रस्तोगी, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली

**7.** रंगदर्शन, नेमिचंद्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

**8.** हिन्दी एकांकी, सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

**9.** एकांकी और एकांकीकार, रामचरण महेन्द्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद
## बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-5

**MJRHIN**-504 हिन्दी साहित्य : आधुनिक हिंदी निबंध

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

आधुनिक हिंदी निबंध साहित्य अत्यंत विशाल एवं जीवंत है जिसमें भारतीय समाज के मानव जीवन के विविध पक्षों का यथातथ्य रूप से उद्घाटन हुआ है जिनकी जानकारी छात्रों को देने से उनका ज्ञानवर्धन तो होगा ही; साथ ही, वे आधुनिक हिंदी निबंध साहित्य के माध्यम से समाज से जीवंत साक्षात्कार भी करेंगे। उनके आगामी जीवन पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ना लाजिमी है। आधुनिक हिंदी निबंध साहित्य के बारे में छात्रों को विधिवत एवं व्यापक जानकारी प्राप्त हो, इस उद्देश्य से आधुनिक हिंदी निबंध साहित्य को इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत रखा गया है।

इकाई - 1 आधुनिक हिंदी निबंध साहित्य

- **1.1** हिंदी निबंध का अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा
- **1.2** निबंध के तत्व
- **1.3** निबंध का उद्भव और विकास
- **1.4** निबंध की विशेषताएँ

इकाई - 2 द्विवेदी युग के प्रमुख निबंधकार

- 2.1 महावीर प्रसाद द्विवेदी : `लोभ` निबंध
- 2.2 सरदार पूर्ण सिंह : `आचरण की सभ्यता` निबंध
- 2.3 उपर्युक्त निबंधों की तात्विक विशेषताएँ
- 2.4 उपर्युक्त निबंधों की निबंधगत विशेषताएँ
- 2.5 उपर्युक्त निबंधों का शिल्प विधान और भाषा-शैली

इकाई -3 शुक्ल युग के प्रमुख निबंधकार

- 3.1 आचार्य रामचंद्र शुक्ल : `लज्जा और ग्लानि` निबंध
- 3.2 बाबू गुलाबराय : `समाज और कर्तव्य पालन` निबंध
- 3.3 उपर्युक्त निबंधों की तात्विक विशेषताएँ
- 3.4 उपर्युक्त निबंधों की निबंधगत विशेषताएँ
- 3.5 उपर्युक्त निबंधों का शिल्प विधान और भाषा-शैली

इकाई - 4 आधुनिक ललित निबंधकार

- 4.1 ललित निबंध : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- 4.2 विद्यानिवास मिश्र : `चितवन की छाँव` ललित निबंध

4.3 कुबेरनाथ राय : `मन पवन की नौका` ललित निबंध
4.4 उपर्युक्त ललित निबंधों की तात्विक विशेषताएँ
4.5 उपर्युक्त ललित निबंधों की निबंधगत विशेषताएँ
4.6 उपर्युक्त ललित निबंधों का शिल्प विधान और भाषा-शैली

इकाई - 5 आधुनिक व्यंग्य निबंधकार
5.1 व्यंग्य निबंध : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
5.2 हरिशंकर परसाई : `घिरता हुआ गणतंत्र` व्यंग्य निबंध
5.3 श्रीलाल शुक्ल : `अंगद का पाँव` व्यंग्य निबंध
5.4 उपर्युक्त व्यंग्य निबंधों की तात्विक विशेषताएँ
5.5 उपर्युक्त व्यंग्य निबंधों की निबंधगत विशेषताएँ
5.6 उपर्युक्त व्यंग्य निबंधों का शिल्प विधान और भाषा-शैली

संदर्भ ग्रंथ


1. हिंदी साहित्य का प्रवृतिपरक इतिहास, डॉ. रमापति मिश्र
2. हिंदी साहित्य का इतिहास, कमल नारायण टंडन
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिन्दी साहित्य का सुबोघ इतिहास, बाबू गुलाबराय, पुस्तक प्रकाशन, आगरा
5. हिंदी साहित्य का इतिहास, जयनारायण वर्मा
6. हिंदी साहित्य का इतिहास, शिवकुमार शर्मा
7. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. माधव सोनटक्के
8. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. विजयेंद्र स्नातक
9. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. नगेंद्र
10. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास, बाबू गुलाब राय
11. हिंदी साहित्य का आदिकाल, डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
12. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा
13. हिंदी साहित्य का आदिकाल, डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा
14. हिंदी साहित्य : युग एवं प्रवृतियाँ, डॉ. विजयपाल सिंह
15. ललित निबंध, प्रभाकर माचवे
16. हिंदी निबंध के सौ वर्ष, संपादक – मृतुंजय उपाध्याय
17. हिंदी साहित्य के निबंध और निबंधकार, डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
18. द्ववेदी युगीन निबंध साहित्य, गंगाबख्श सिंह
19. ललित निबंध, संगीता सारस्वत
20. निबंध संचय, शिवशंकर पांडेय
21. वृहत साहित्यिक निबंध, डॉ. यश गुलाटी
22. साहित्यिक निबंध, गणपतिचंद्र गुप्त
23. प्रतिनिधि हास्य-व्यंग्य निबंध, संपादक – शिवकुमार मिश्र
24. हिंदी साहित्य – युग और प्रवृतियाँ, डॉ. शिवकुमार शर्मा

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

## बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-5

### MNRHIN—505 राजभाषा हिंदी का तकनीकी पक्ष

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

स्वतंत्र भारत में भारतीय संविधान के लागू होने के परिणामस्वरूप संविधानसम्मत राजभाषा नीति लागू हुई है। कार्यालयी कामकाज सभी सरकारी क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है। अतः राजभाषा हिंदी की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी स्नातक स्तर के छात्रों को होना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर राजभाषा हिंदी के तकनीकी पक्ष की जानकारी प्राप्त कराना इस प्रश्नपत्र का मुख्य उद्देश्य है।

इकाई - 1 राजभाषा हिंदी की संवैधानिक व्यवस्था और तकनीकी पक्ष

**1.1** राजभाषा हिंदी की संवैधानिक व्यवस्था

**1.2** राजभाषा हिंदी की संवैधानिक व्यवस्था का कार्यान्वयन

**1.3** राजभाषा हिंदी का तकनीकी पक्ष

इकाई - 2 राजभाषा हिंदी का तकनीकी पक्ष

2.1 राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय की वैबसाइट

2.2 राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय की वैबसाइट पर उपलब्ध तकनीकी सुविधाएँ

2.3 \`मंत्रा\` अनुवाद सॉफ्टवेयर

2.4 अन्य सॉफ्टवेयर

2.5 तकनीकी सुविधाओं का उपयोग

इकाई - 3 राजभाषा का प्रशिक्षणगत तकनीकी पक्ष

3.1 \`लीला\` **(LILA – Learn Indian Languages Through Artificial Intelligence)** सॉफ्टवेयर और ऑनलाइन प्रशिक्षण

3.2 हिंदी प्रबोध

3.3 हिंदी प्रवीण

3.4 हिंदी प्राज्ञ

3.4 हिंदी पारंगत

3.5 हिंदी शिक्षण योजना के केंद्रों पर सहायक निदेशक (भाषा) द्वारा ऑफ लाइन प्रशिक्षण

इकाई - 4 सी-डेक के तकनीकी सॉफ्टवेयर

4.1 अनुवाद सॉफ्टवेयर

4.2 वॉइस (वाचिक) से टैक्स्ट (पाठ) सॉफ्टवेयर

4.3 सी-डेक के अन्य तकनीकी सॉफ्टवेयर

4.4 सी-डेक के तकनीकी सॉफ्टवेयरों का अनुप्रयोग

इकाई - 5 राजभाषा हिंदी के कार्य में उपयोगी तकनीकी सॉफ्टवेयर

5.1 `कंठस्थ` **(www.rajbhasha. Gov.in)**

5.2 पारिभाषिक शब्दावली **(www.cstt.gov.in)**

5.3 केंद्रीय हिंदी संस्थान **(www.khs.gov.in)**

5.4 वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग **(www.cstt.gov.in)**

5.5 केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो **(www.ctb.gov.in)**

5.6 केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान और हिंदी शिक्षण योजना **(www.chti.gov.in)**

5.7 राजभाषा हिंदी में कंप्यूटर सुविधाएँ

5.8 राजभाषा हिंदी विषयक अन्य सॉफ्टवेयर

संदर्भ ग्रंथ


**1.** राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, दिल्ली **www.rajbhasha.gov.in**

**2.** संचार, सूचना, कम्प्यूटर और प्रयोजनमूलक हिंदी जगत, डॉ. सु. नागलक्ष्मी

3. जनसंचार माध्यम और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद

4. भाषिक स्वरूप संरचना और कार्य, डॉ. राम गोपाल सिंह, शांति प्रकाशन, अहमदाबाद

5. हिंदी में सीडिया लेखन और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

6. भाषा विज्ञान, डॉ. राम गोपाल सिंह, आकाश पब्लिशर्स, गाजियाबाद

7. आधुनिक हिंदी व्याकरण, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

8. प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

9. प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

10. कम्प्यूटर और हिंदी, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

11.हिंदी कम्प्यूटिंग, डॉ. राम गोपाल सिंह, आकाश पब्लिशर्स, गाजियाबाद

12. राजभाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. राम गोपाल सिंह, आकाश पब्लिशर्स, गाजियाबाद

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-6

**MJRHIN**-601 हिन्दी साहित्य : रिपोर्ताज, संस्मरण और रेखाचित्र

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

आधुनिक हिन्दी साहित्य की सुदीर्घ विकास यात्रा को किसी एक प्रश्नपत्र में समेट पाना व्यावहारिक दृष्टि से उचित नहीं है। अतः आधुनिक रिपोर्ताज, संस्मरण और रेखाचित्र को एक प्रश्नपत्र के रूप में रखना न्यायसंगत है। रिपोर्ताज, संस्मरण और रेखाचित्र इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत रखा गया है जिससे विद्यार्थी आधुनिक रिपोर्ताज, संस्मरण और रेखाचित्र के दौर में आए प्रत्येक मोड़ और तत्कालीन परिस्थितियों से अवगत हो सकें।

इकाई - 1 आधुनिक हिन्दी रिपोर्ताज साहित्य

1.1 आधुनिक हिन्दी रिपोर्ताज साहित्य का परिचय

**1.2** आधुनिक हिन्दी रिपोर्ताज साहित्य : अर्थ

**1.3** आधुनिक हिन्दी रिपोर्ताज साहित्य : परिभाषा

**1.4** आधुनिक हिन्दी रिपोर्ताज साहित्य : स्वरूप

**1.5** आधुनिक हिन्दी रिपोर्ताज साहित्य की विकासयात्रा

**1.6** आधुनिक हिन्दी रिपोर्ताज साहित्य की विशेषताएँ

इकाई - 2 आधुनिक हिन्दी संस्मरण साहित्य

**2.1** आधुनिक हिन्दी संस्मरण साहित्य : अर्थ

**2.2** आधुनिक हिन्दी संस्मरण साहित्य : परिभाषा

**2.3** आधुनिक हिन्दी संस्मरण साहित्य : स्वरूप

**2.4** आधुनिक हिन्दी संस्मरण साहित्य की विकासयात्रा

2.5 आधुनिक हिन्दी संस्मरण साहित्य की विशेषताएँ

इकाई - 3 आधुनिक आधुनिक हिन्दी रेखाचित्र साहित्य

**3.1** आधुनिक हिन्दी रेखाचित्र साहित्य : अर्थ

**3.2** आधुनिक हिन्दी रेखाचित्र साहित्य : परिभाषा

**3.3** आधुनिक हिन्दी रेखाचित्र साहित्य : स्वरूप

**3.4** आधुनिक हिन्दी रेखाचित्र साहित्य की विकासयात्रा

**3.5** आधुनिक हिन्दी रेखाचित्र साहित्य की विशेषताएँ

इकाई - 4 हिन्दी रिपोर्ताज एवं संस्मरण

4.1 फणीश्वरनाथ रेणु : `समय की शिला पर` रिपोर्ताज का विशेष अध्ययन
4.2 उपर्युक्त रिपोर्ताज की समीक्षा
4.3 उपर्युक्त रिपोर्ताज की विशेषताएँ
4.4 महादेवी वर्मा : `अतीत के चलचित्र` संस्मरण का विशेष अध्ययन
4.5 उपर्युक्त संस्मरण की समीक्षा
4.6 उपर्युक्त संस्मरण की विशेषताएँ

इकाई - 5 हिंदी रेखाचित्र
5.1 संस्मरण और रेखाचित्र में अंतर
5.2 रामवृक्ष बेनीपुरी : `बूढ़ा कुत्ता` रेखाचित्र का विशेष अध्ययन
5.3 उपर्युक्त रेखाचित्र की समीक्षा
5.4 उपर्युक्त रेखाचित्र की विशेषताएँ

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>


1. हिंदी साहित्य का प्रवृतिपरक इतिहास, डॉ. रमापति मिश्र
2. हिंदी साहित्य का इतिहास, कमल नारायण टंडन
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिन्दी साहित्य का सुबोघ इतिहास, बाबू गुलाबराय, पुस्तक प्रकाशन, आगरा
5. हिंदी साहित्य का इतिहास, जयनारायण वर्मा
6. हिंदी साहित्य का इतिहास, शिवकुमार शर्मा
7. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. माधव सोनटक्के
8. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. विजयेंद्र स्नातक
9. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. नगेंद्र
10 हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास, बाबू गुलाब राय
11. हिंदी साहित्य का आदिकाल, डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
12. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा
13. हिंदी साहित्य – युग और प्रवृतियाँ, डॉ. शिवकुमार शर्मा
14_हिंदी साहित्य : युग एवं प्रवृतियाँ, डॉ. विजयपाल सिंह
**15.** ललित निबंध, प्रभाकर माचवे
**16.** हिंदी निबंध के सौ वर्ष, संपादक – मृतुंजय उपाध्याय
**17.** हिंदी साहित्य के निबंध और निबंधकार, डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
**18.** द्ववेदी युगीन निबंध साहित्य, गंगाबख्श सिंह
**19.** ललित निबंध, संगीता सारस्वत
**20.** प्रतिनिधि हास्य-व्यंग्य निबंध, संपादक – शिवकुमार मिश्र
21 जीवनी और संस्मरण, खंड-2, संपादक – कमला सांकृत्यायन
22 समय की शिला पर, फणीश्वरनाथ रेणु

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद
# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-6

**MJRHIN**-602 हिन्दी साहित्य : हिंदी आत्मकथा, जीवनी और डायरी

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

आधुनिक हिन्दी साहित्य की सुदीर्घ विकास यात्रा को किसी एक प्रश्नपत्र में समेट पाना व्यावहारिक दृष्टि से उचित नहीं है। अत: हिंदी आत्मकथा, जीवनी और डायरी को एक प्रश्नपत्र के रूप में रखना न्यायसंगत है। हिंदी आत्मकथा, जीवनी और डायरी को इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत रखा गया है जिससे विद्यार्थी हिंदी आत्मकथा, जीवनी और डायरी के दौर में आए प्रत्येक मोड़ और तत्कालीन परिस्थितियों से अवगत हो सकें।

इकाई - 1 आधुनिक हिन्दी आत्मकथा साहित्य

**1.1** आधुनिक हिन्दी आत्मकथा साहित्य : अर्थ

**1.2** आधुनिक हिन्दी आत्मकथा साहित्य : परिभाषा

**1.3** आधुनिक हिन्दी आत्मकथा साहित्य : स्वरूप

**1.4** आधुनिक हिन्दी आत्मकथा साहित्य की विकासयात्रा

**1.5** आधुनिक हिन्दी आत्मकथा साहित्य की विशेषताएँ

इकाई - 2 आधुनिक हिन्दी जीवनी साहित्य

**2.1** आधुनिक हिन्दी जीवनी साहित्य : अर्थ

**2.2** आधुनिक हिन्दी जीवनी साहित्य : परिभाषा

**2.3** आधुनिक हिन्दी जीवनी साहित्य : स्वरूप

**2.4** आधुनिक हिन्दी जीवनी साहित्य की विकासयात्रा

**2.5** आधुनिक हिन्दी जीवनी साहित्य की विशेषताएँ

इकाई - 3 आधुनिक हिन्दी डायरी साहित्य

**3.1** आधुनिक हिन्दी डायरी साहित्य : अर्थ

**3.2** आधुनिक हिन्दी डायरी साहित्य : परिभाषा

**3.3** आधुनिक हिन्दी डायरी साहित्य : स्वरूप

**3.4** आधुनिक हिन्दी डायरी साहित्य की विकासयात्रा

**3.5** आधुनिक हिन्दी डायरी साहित्य की विशेषताएँ

इकाई - 4 एक आत्मकथा का विशेष अध्ययन

**4.1** हरिवंशराय बच्चन : `क्या भूलूँ, क्या याद करूँ` आत्मकथा का विशेष अध्ययन

**4.2** उपर्युक्त आत्मकथा की समीक्षा

4.3 उपर्युक्त आत्मकथा की विशेषताएँ

इकाई - 5 जीवनी और एक डायरी साहित्य का विशेष अध्ययन

5.1 विष्णु प्रभाकर : `आवारा मसीहा` जीवनी का विशेष अध्ययन

5.2 उपर्युक्त जीवनी की समीक्षा

5.3 उपर्युक्त जीवनी की विशेषताएँ

5.4 प्रभात रंजन (अनुवादक) : `एक किशोर की डायरी` का विशेष अध्ययन

5.5 उपर्युक्त डायरी की समीक्षा

5.6 उपर्युक्त डायरी की विशेषताएँ

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>


1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ. नगेन्द्र
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, बाबू गुलाबराय
3. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, गणपतिचंद्र गुप्त
4. एक किशोर की डायरी, मूल लेखक – एन. फ्रेंक, हिंदी अनुवादक – प्रभात रंजन
5. आवारा मसीहा, विष्णु प्रभाकर
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास, श्यामचंद्र कपूर
7. क्या भूलूँ, क्या याद करूँ, हरिवंशराय बच्चन
8. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. रामकुमार वर्मा
9. हिन्दी साहित्य : युग एवं प्रवृत्तियाँ, डॉ. विजयपाल सिंह
10. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास, राजनाथ शर्मा

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-6

## **MJRHIN**-603 भारतीय काव्यशास्त्र

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

हिन्दी साहित्य के विधिवत अध्ययन के लिए भारतीय काव्यशास्त्र की विविध प्रणालियों का ज्ञान प्राप्त करना प्रत्येक विद्यार्थी के लिए आवश्यक है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है- विद्यार्थी में साहित्य के मर्म को ग्रहण करने की क्षमता का विकास करना। काव्यशास्त्र के सिद्धांतों के आलोक में छात्र के काव्यशास्त्रीय आलोचक व्यक्तित्व का निर्माण संभव होता है तथा उसकी साहित्यिक समझ का विकास होता है।

इकाई - 1 भारतीय काव्य शास्त्र

**1.1** भारतीय काव्य शास्त्र के प्रमुख आचार्य

**1.2** काव्य की परिभाषा एवं स्वरूप

**1.3** काव्य के लक्षण

**1.4** काव्य के प्रयोजन

**1.5** काव्य के हेतु

**1.6** काव्य के प्रकार

**1.7** काव्य के गुण

**1.8** काव्य के दोष

**1.9** काव्य संप्रदाय (रस, रीति, वक्रोक्ति, ध्वनि और अलंकार संप्रदाय)

इकाई - 2 शब्द शक्ति

**2.1** अभिधा शब्द शक्ति के भेदोपभेद

**2.2** लक्षणा शब्द शक्ति के भेदोपभेद

**2.3** व्यंजना शब्द शक्ति के भेदोपभेद

इकाई - 3 रस सिद्धांत

3.1 रस का अर्थ और स्वरूप और प्रमुख आचार्य

3.2 रस निष्पत्ति

3.3 रस के अंग

3.4 रस के प्रकार

3.5 रस का विवेचन

इकाई - 4 अलंकार और छंद सिद्धांत

4.1 अलंकार का अर्थ, स्वरूप कार्य और प्रकार

4.2 शब्दालंकार का परिचय - अनुप्रास, यमक, श्लेष और वक्रोक्ति अलंकार

4.3 अर्थालंकार का परिचय - उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा और व्यतिरेक अलंकार

4.4 छंद की अवधारणा (गति, यति, मात्रा की गणना)

4.5 मात्रिक छंद का परिचय (दोहा, सोरठा, चौपाई और रोला छंद)

4.6 वर्णिक छंद का सामान्य परिचय (वसन्ततिलका, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता और सवैया)

इकाई - 5 ध्वनि सिद्धांत

5.1 ध्वनि का स्वरूप

5.2 ध्वनि सिद्धांत की स्थापनाएँ

5.3 ध्वनि संप्रदाय के प्रमुख आचार्य

5.4 ध्वनि के प्रमुख भेद

5.5 प्रमुख ध्वनि सिद्धांत

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>


1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र, यतींद्र तिवारी
2. काव्यशास्त्र : डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. काव्य के रूप : बाबू गुलाबराय, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
4. सिद्धांत और अध्ययन : बाबू गुलाबराय, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
5. साहित्यशास्त्र : डॉ, ओम प्रकाश गुप्त, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : योगेन्द्र प्रताप सिंह, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. हिन्दी आलोचना का विकास : नन्दकिशोर नवल
9. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन, सत्यदेव चौधरी एवं शांतिस्वरूप गुप्त

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-6

## **MJRHIN**-604 पाश्चात्य काव्यशास्त्र

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

हिन्दी साहित्य के विधिवत अध्ययन के लिए पाश्चात्य काव्यशास्त्र की विविध प्रणालियों का ज्ञान प्राप्त करना प्रत्येक विद्यार्थी के लिए आवश्यक है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है - विद्यार्थी में साहित्य के मर्म को ग्रहण करने की क्षमता का विकास करना। काव्यशास्त्र के सिद्धांतों के आलोक में छात्र के काव्यशास्त्रीय आलोचक व्यक्तित्व का निर्माण संभव होता है तथा उसकी साहित्यिक समझ का विकास होता है।

इकाई - 1 पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत

**1.1** पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख आचार्य

**1.2** पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा

**1.3** पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत

**1.3.1** यूनानी काव्यशास्त्र के सिद्धांत

**1.3.2** लैटिन काव्यशास्त्र के सिद्धांत

**1.3.3** अंग्रेजी काव्यशास्त्र के सिद्धांत

**1.3.4** अन्य सिद्धांत

इकाई - 2 प्लेटो

**2.1** काव्य की प्रेरणा

**2.2** काव्य-सत्य

**2.3** काव्य का अनैतिक स्वरूप

**2.4** काव्य अनुकरण

**2.5** विरेचन सिद्धांत

इकाई - 3 वर्डसवर्थ

3.1 काव्य संबंधी अवधारणा

3.2 काव्य सिद्धांत

3.3 काव्य प्रयोजन

3.4 काव्य भाषा

3.5 मूल्यांकन

इकाई - 4 मैथ्यू ऑर्नोल्ड

4.1 मैथ्यू ऑर्नोल्ड का परिचय

4.2 मैथ्यू ऑर्नोल्ड के काव्य संबंधी विचार

4.3 कला का उद्देश्य

4.4 काव्य में नैतिकता

4.5 काव्य में विषय और उसके वपन का महत्व

इकाई - 5 . आई. एन. रिचर्ड्स

5.1 आई. एन. रिचर्ड्स का परिचय

5.2 काव्य और विज्ञान

5.3 आई. एन. रिचर्ड्स के काव्य विषयक सिद्धांत

5.4 आई. एन. रिचर्ड्स का संप्रेषण विषयक सिद्धांत

5.5 व्यावहारिक आलोचना

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>


1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र, यतींद्र तिवारी
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. काव्य के रूप : बाबू गुलाबराय, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
4. सिद्धांत और अध्ययन : बाबू गुलाबराय, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
5. साहित्यशास्त्र : डॉ, ओम प्रकाश गुप्त, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : योगेन्द्र प्रताप सिंह, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. काव्यशास्त्र : भारतीय एवं पाश्चात्य, डॉ. कन्हैयालाल अवस्थी एवं डॉ. अमित अवस्थी
9. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन, सत्यदेव चौधरी एवं शांतिस्वरूप गुप्त
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की पहचान, डॉ. हरिमोहन

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-6

## MNRHIN—605 प्रयोजनमूलक हिंदी

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

आधुनिक काल में हिंदी भाषा के विविध प्रयोजनमूलक रूप पनपे हैं जिनमें राजभाषा या कार्यालयी हिंदी, विधि की हिंदी, पत्रकारिता की हिंदी आदि विविध क्षेत्र शामिल हैं। छात्र प्रयोजनमूलक हिंदी को समझें तथा उनमें इस संबंध में समझ विकसित हो, इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर प्रयोजनमूलक हिंदी प्रश्नपत्र रखा गया है।

इकाई - 1 हिन्दी भाषा की व्यवस्था और उसका मानकीकरण

**1.1** हिन्दी भाषा का स्वरूप : मौखिक और लिखित भाषा

**1.2** लिपि से अभिप्राय तथा वर्तनी का मानक रूप

**1.3** हिन्दी भाषा का मानकीकरण

**1.4** आधुनिकीकरण की प्रक्रिया और हिन्दी का आधुनिकीकरण

**1.5** हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप : सामान्य हिन्दी, साहित्यिक हिन्दी, प्रयोजनमूलक हिन्दी आदि

इकाई - 2 प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा और उसकी परिव्याप्ति

2.1 प्रयोजनमूलक हिन्दी से अभिप्राय और उसकी परिव्याप्ति

2.2 प्रयोजनमूलक हिन्दी की प्रयुक्तियाँ और उसके प्रयोगात्मक क्षेत्र

इकाई - 3 कार्यालयीन हिन्दी के प्रमुख कार्य

3.1 प्रारूपण

3.2 पत्रलेखन

3.3 टिप्पण

3.4 कार्यालयी हिंदी पत्राचार

3.4.1 कार्यालयी पत्र

3.4.2 कार्यालयी पत्रों के प्रकार

3.4.3 कार्यालयी पत्रों का अभ्यास

इकाई - 4 जनसंचार माध्यम : अभिप्राय और स्वरूप

4.1 जनसंचार माध्यमों के प्रकार

4.2 जनसंचार माध्यमों की भाषिक प्रकृति

4.3 समाचार लेखन और हिन्दी

4.4 संवाद लेखन और हिन्दी

इकाई - 5 प्रयोजनमूलक हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली

5.1 पारिभाषिक शब्दावली का स्वरूप

5.2 वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग

5.3 वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग की पारिभाषिक शब्दावलियाँ

संदर्भ ग्रंथ


1. प्रयोजनमूलक हिन्दी, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी, डॉ. कृष्णकुमार शर्मा
3. इलेक्ट्रोनिक मीडिया, डॉ. सुधीर सोनी, युनि.पब्लिकेशन, जयपुर
4. हिंदी में मीडिया लेखन और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
5. प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. प्रमाणिक आलेखन और टिप्पण, प्रो. विराज, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
8. प्रशासनिक एवं कार्यालयी हिन्दी, डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
9. प्रारूपण, टिप्पण, प्रूफपठन, भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. हिन्दी : विविध व्यवहारों की भाषा, सुवास कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. प्रयोजनमूलक हिन्दीः प्रस्तुति और अनुवाद- माधव सोनटक्के, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-7 (रिसर्च स्ट्रीम)

## **MJRHIN**-701 शोध पद्धति - 1

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय बी.ए. ऑनर्स पाठ्यक्रम में छात्रों के सातवे सेमेस्टर में शोध पद्धति का ज्ञान प्राप्त करना आवश्यक है जिससे वे सेमेस्टर आठ में किसी शोध विषय का शोधपरक दृष्टि से विवेचन, विश्लेषण एवं मूल्यांकन करते हुए संबंधित विषय क्षेत्र में स्थापनाएँ प्रस्तुत कर सकें। अतः रिसर्च स्ट्रीम के सभी छात्रों के लिए शोध पद्धति का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करना तथा शोध की विविध प्रणालियों से परिचित होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत रिसर्च स्ट्रीम के सभी छात्रों के लिए शोध पद्धति का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अध्ययन रखा गया है।

इकाई - 1 शोध का स्वरूप

**1.1** शोध का अर्थगत स्वरूप – शोध, गवेषणा, अन्वेषण, अनुशीलन/परिशीलन, समीक्षा, आलोचना

**1.2** शोध का पारिभाषिक स्वरूप

**1.2.1** शोध की पाश्चात्य विद्वानों की परिभाषाएँ

**1.2.2** शोध की भारतीय विद्वानों की परिभाषाएँ

**1.3** शोध और आलोचना

**1.3.1** शोध और आलोचना में अंतर

**1.3.2** आलोचना का अर्थ

**1.3.3** प्रभाव ग्रहण

**1.3.4** व्याख्या विश्लेषण

**1.3.5** मूल्यांकन

इकाई - 2 शोध के मूल तत्व

**2.1** सत्योपलब्धि

**2.2** तत्वाभिनिवेशिनी दृष्टि

**2.3** वैज्ञानिक पद्धति

**2.4** सीमित विषय

**2.5** शोध विषयों का वैज्ञानिक दृष्टि से चुनाव

**2.6** अनवरत चिंतन

**2.7** विषय की एकतानता और संतुलन

**2.8** सत्यनिष्ठ मौलिकता

**2.9** तर्कपूर्ण विभाजन और वर्गीकरण

2.10 प्रतिपादन शैली का सौष्ठव

इकाई - 3 शोध के प्रकार

3.1 शोध का कामान्य वर्गीकरण

3.1.1 तथ्यपरक

3.1.2 समीक्षापरक

3.1.3 उभयपरक

3.2 तथ्य एवं व्याख्या के आधार पर शोध का वर्गीकरण

3.2.1 तथ्यात्मक शोध

3.2.2 व्याख्यात्मक शोध

इकाई - 4 विषय निर्वाचन

4.1 विषय की क्षेत्रगत स्पष्टता

4.2 विषय का स्वरूप और सीमागत निश्चितता

4.3 निर्वाचित विषय की शब्दावली का सुपरिभाषित होना

4.4 विषय का अव्याप्ति और अतिव्याप्ति दोषों से मुक्त होना

4.5 विषय का पुनरावृत्ति दोष से मुक्त होना

इकाई - 5 सामग्री संकलन

5.1 सामग्री संकलन में पुस्तकालय का उपयोग

5.2 सामग्री संकलन में वैबसाइटों का उपयोग

5.3 फुटनोट और संदर्भ ग्रंथ सूची में सामग्री के स्रोत का उपयोग

5.4 पस्तलेखों का संकलन

5.5 हस्तलेखों का उपयोग

5.6 अंतर्साक्ष्य और बहिर्साक्ष्य

5.7 साक्षात्कार के माध्यम से सामग्री का संकलन

5.8 प्रश्नावली के माध्यम से सामग्री का संकलन

5.9 अनुसूची के माध्यम से सामग्री का संकलन

5.10 क्षेत्रकार्य के माध्यम से सामग्री का संकलन

5.11 सामग्री का वर्गीकरण

5.12 सामग्री का परीक्षण और उपयोग

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>

1. अनुसंधान का स्वरूप, डॉ. सावित्री सिन्हा
2. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया, डॉ. राजेंद्र मिश्र
3. अनुसंधान के मूल तत्व, डॉ. विश्वनाथ प्रसाद
4. शोध प्रविधि, डॉ. विजयपाल सिंह
5. अनुसंधान और आलोचना, डॉ. विजयपाल सिंह
6. इतिहास और आलोचना, डॉ. नामवर सिंह

7. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. अनुसंधान – प्रविधि और प्रक्रिया, डॉ. विनय कुमार पाठक
9. आधुनिक शोध पद्धति, डॉ. राम गोपाल सिंह
10. शोध पद्धति, डॉ. राम गोपाल सिंह
11. मॉडर्न रिसर्च मैथडॉलॉजी, डॉ. राम गोपाल सिंह
12. शोध प्रस्तुति, डॉ. मदन मोहन शर्मा
13. शोध – स्वरूप और दृष्टि, डॉ. रामेश्वर शर्मा
14. शोध प्रस्तुति, डॉ. उमा पांडेय
15. शोध भारती पत्रिका के विविध अंक, संपादक – डॉ. राम गोपाल सिंह

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-7 (रिसर्च स्ट्रीम)

## **MJRHIN**-702 शोध पद्धति - 2

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय बी.ए. ऑनर्स पाठ्यक्रम में छात्रों के सातवे सेमेस्टर में शोध पद्धति का ज्ञान प्राप्त करना आवश्यक है जिससे वे सेमेस्टर आठ में किसी शोध विषय का शोधपरक दृष्टि से विवेचन, विश्लेषण एवं मूल्यांकन करते हुए संबंधित विषय क्षेत्र में स्थापनाएँ प्रस्तुत कर सकें। अतः रिसर्च स्ट्रीम के सभी छात्रों के लिए शोध पद्धति-2 का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करना तथा शोध की विविध प्रणालियों से परिचित होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत रिसर्च स्ट्रीम के सभी छात्रों के लिए शोध पद्धति-2 का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अध्ययन रखा गया है।

इकाई - 1 शोध पद्धति शोधकार्य का विभाजन

**1.1** अध्यायीकरण

**1.2** शीर्षक

**1.3** उपशीर्षक

**1.4** अनुवाद

**1.5** निष्कर्ष

इकाई - 2 रूपरेखा, विषयसूची प्रस्तावना आदि के रूप में शोधकार्य का4 विभाजन

2.1 रूपरेखा

2.2 विषय सूची

2.3 प्रस्तावना

2.4 भूमिका

2.5 सहायक ग्रंथों की सूची

2.6 संदर्भोल्लेख

2.7 पाद टिप्पणी

इकाई - 3 साहित्यिक शोध में ऐतिहासिक तथ्यों और पद्धतियों का उपयोग

3.1 साहित्यिक शोध में ऐतिहासिक तथ्यों का उपयोग

3.2 साहित्यिक शोध में ऐतिहासिक पद्धतियों का उपयोग

3.3 साहित्यिक शोध में समाजशास्त्रीय प्रविधि का उपयोग

3.4 समाजशास्त्रीय प्रविधि का अर्थ, स्वरूप और समाजशास्त्रीय प्रविधि अनुप्रयोग

इकाई - 4 हिंदी शोध के संबद्ध विषयों की भूमिका

4.1 हिंदी शोध का क्षेत्र

4.2 हिंदी शोध के विषय

4.3 हिंदी शोध के क्षेत्र में व्यापक शोध कार्य की संभावनाएँ

4.4 प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध क्षेत्रों में व्यापक शोध कार्य की संभावनाएँ

इकाई - 5 पाठालोचन के मुख्य सिद्धांत

5.1 सामग्री का एकत्रीकरण

5.2 सामग्री की उपयोगिता और उसके विविध रूप

5.3 सामग्री का परीक्षण

5.4 उपलब्ध सामग्री की अंतरंग परीक्षा

5.5 पाठ विकृतियाँ

5.6 स्मृतिभ्रम

5.7 लेखन प्रमाद

5.8 अनिच्छापूर्वक की गईं भूलें

5.9 विभिन्न भाषाओं में की गईं भूलें

5.10 पाठों का मिलान

5.12 पाठों का पारस्परिक संबंध -मूल और गौण

5,13 प्रक्षेप

5.14 पाठों के विविध वंश

5.15 अनुसंगति – आंतरिक और बाह्य

5.16 पाठ चयन और पाठ सुधार

5.17 तथ्यों और उपलब्धियों की उच्चतर आलोचना

5.18 संपादकीय संग्रहण शक्ति

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>


1. अनुसंधान का स्वरूप, डॉ. सावित्री सिन्हा
2. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया, डॉ. राजेंद्र मिश्र
3. अनुसंधान के मूल तत्व, डॉ. विश्वनाथ प्रसाद
4. शोध प्रविधि, डॉ. विजयपाल सिंह
5. अनुसंधान और आलोचना, डॉ. विजयपाल सिंह
6. इतिहास और आलोचना, डॉ. नामवर सिंह
7. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. अनुसंधान – प्रविधि और प्रक्रिया, डॉ. विनय कुमार पाठक
9. आधुनिक शोध पद्धति, डॉ. राम गोपाल सिंह
10. शोध पद्धति, डॉ. राम गोपाल सिंह
11. मॉडर्न रिसर्च मैथडॉलॉजी, डॉ. राम गोपाल सिंह
12. शोध प्रस्तुति, डॉ. मदन मोहन शर्मा
13. शोध – स्वरूप और दृष्टि, डॉ. रामेश्वर शर्मा
14. शोध प्रस्तुति, डॉ. उमा पांडेय
15. शोध भारती पत्रिका के विविध अंक, संपादक – डॉ. राम गोपाल सिंह

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-7 (रिसर्च स्ट्रीम)

## **MJRHIN**-703 शोध पद्धति - 3

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय बी.ए. ऑनर्स पाठ्यक्रम में छात्रों के सातवे सेमेस्टर में शोध पद्धति का ज्ञान प्राप्त करना आवश्यक है जिससे वे सेमेस्टर आठ में किसी शोध विषय का शोधपरक दृष्टि से विवेचन, विश्लेषण एवं मूल्यांकन करते हुए संबंधित विषय क्षेत्र में स्थापनाएँ प्रस्तुत कर सकें। अतः रिसर्च स्ट्रीम के सभी छात्रों के लिए शोध पद्धति-3 का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करना तथा शोध की विविध प्रणालियों से परिचित होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत रिसर्च स्ट्रीम के सभी छात्रों के लिए शोध पद्धति-3 का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अध्ययन रखा गया है।

इकाई - 1 शोध पद्धति – भाषावैज्ञानिक शोध

**1.1** स्वन विषयक शोध
**1.2** शब्द विषयक शोध
**1.3** रूप विषयक शोध
**1.4** वाक्य विषयक शोध
**1.5** अर्थ विषयक शोध
**1.6** प्रोक्ति विषयक शोध
**1.7** रूपांतरण प्रजनक व्याकरण विषयक शोध
**1.8** समाज भाषाविज्ञान विषयक शोध
**1.9** मनोभाषा विज्ञान विषयक शोध
**1.10** व्याकरण विषयक शोध
**1.11** प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध क्षेत्र विषयक शोध
**1.12** अनुवाद विषयक शोध

इकाई - 2 साक्षात्कार

2.1 साक्षात्कार – अर्थ और परिभाषा
2.2 साक्षात्कार का उद्देश्य
2.3 साक्षात्कार के प्रकार
2.4 साक्षात्कार की प्रक्रिया
2.5 साक्षात्कारकर्ता के आवश्यक गुण
2.6 साक्षात्कार के लाभ
2.7 साक्षात्कार के दोष

2.8 साक्षात्कार की सीमाएँ

2.9 साक्षात्कार का शोध में महत्व

इकाई – 3 तथ्यों या आँकड़ों का संकलन

3.1 तथ्यों या आँकड़ों का संकलन – अर्थ और परिभाषा

3.2 तथ्यों या आँकड़ों की विशेषताएँ

3.3 तथ्यों या आँकड़ों के संकलन का महत्व

3.4 तथ्यों या आँकड़ों की शोध में भूमिका

3.5 तथ्यों या आँकड़ों के प्रकार

3.6 तथ्यों या आँकड़ों के स्रोत

3.7 तथ्यों या आँकड़ों के संकलन के गुण

3.8 तथ्यों या आँकड़ों का संकलन के दोष

इकाई – 4 सारणीयन

4.1 सारणीयन का अर्थ और परिभाषा

4.2 सारणीयन के उद्देश्य

4.3 एक अच्छी सारणी की विशेषताएँ

4.4 सारणीयन के लाभ और महत्व

4.5 सारणी के प्रकार

4.6 सारणी के विविध अंग

4.7 सारणीयन के लिए कुछ आवश्यक बातें

इकाई – 5 अंतर्वस्तु विश्लेषण और सर्वेक्षण

5.1 अंतर्वस्तु विश्लेषण

5.1.1 अंतर्वस्तु विश्लेषण का अर्थ और परिभाषा

5.1.2 अंतर्वस्तु विश्लेषण की इकाइयाँ

5.1.3 अंतर्वस्तु विश्लेषण के चरण

5.1.4 अंतर्वस्तु विश्लेषण प्रविधि का महत्व

5.1.5 अंतर्वस्तु विश्लेषण की समस्याएँ

5.2 सर्वेक्षण

5.2.1 सर्वेक्षण का अर्थ और परिभाषा

5.2.2 सर्वेक्षण की विशेषताएँ

5.2.3 सर्वेक्षण का अध्ययन क्षेत्र

5.2.4 सर्वेक्षण का उद्देश्य

5.2.5 सर्वेक्षण के गुण

5.2.6 सर्वेक्षण के प्रकार

5.2.7 सर्वेक्षण की सीमाएँ या दोष

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>


1. अनुसंधान का स्वरूप, डॉ. सावित्री सिन्हा
2. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया, डॉ. राजेंद्र मिश्र
3. अनुसंधान के मूल तत्व, डॉ. विश्वनाथ प्रसाद
4. शोध प्रविधि, डॉ. विजयपाल सिंह
5. अनुसंधान और आलोचना, डॉ. विजयपाल सिंह
6. इतिहास और आलोचना, डॉ. नामवर सिंह
7. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. अनुसंधान – प्रविधि और प्रक्रिया, डॉ. विनय कुमार पाठक
9. आधुनिक शोध पद्धति, डॉ. राम गोपाल सिंह
10. शोध पद्धति, डॉ. राम गोपाल सिंह
11. मॉडर्न रिसर्च मैथडॉलॉजी, डॉ. राम गोपाल सिंह
12. शोध प्रस्तुति, डॉ. मदन मोहन शर्मा
13. शोध – स्वरूप और दृष्टि, डॉ. रामेश्वर शर्मा
14. शोध प्रस्तुति, डॉ. उमा पांडेय
15. शोध भारती पत्रिका के विविध अंक, संपादक – डॉ. राम गोपाल सिंह

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-7 (रिसर्च स्ट्रीम)

## **MJRHIN**-704 हिंदी भाषा-साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय बी.ए. ऑनर्स पाठ्यक्रम में छात्रों के सातवे सेमेस्टर में शोध पद्धति का ज्ञान प्राप्त करना आवश्यक है जिससे वे सेमेस्टर आठ में किसी शोध विषय का शोधपरक दृष्टि से विवेचन, विश्लेषण एवं मूल्यांकन करते हुए संबंधित विषय क्षेत्र में स्थापनाएँ प्रस्तुत कर सकें। अतः रिसर्च स्ट्रीम के सभी छात्रों के लिए हिंदी भाषा-साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि से परिचित होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत रिसर्च स्ट्रीम के सभी छात्रों के लिए हिंदी भाषा-साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अध्ययन रखा गया है।

इकाई - 1 हिंदी भाषा की वैचारिक पृष्ठभूमि

**1.1** हिंदी भाषा का विकास

**1.2** हिंदी भाषा के विविध रूप

**1.3** हिंदी भाषा की बोलियाँ

**1.4** हिंदी भाषा की स्वन संरचना

**1.5** हिंदी भाषा की स्वनिम संरचना

**1.6** हिंदी भाषा की शब्द संरचना

**1.7** हिंदी भाषा की रूप संरचना

**1.8** हिंदी भाषा की वाक्य संरचना

**1.9** हिंदी भाषा की अर्थ संरचना

**1.10** हिंदी भाषा की प्रोक्तिसंरचना

इकाई - 2 हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

2.1 मार्क्सवाद

2.2 गांधीवाद

2.3 मनोविश्लेषणवाद

2.4 अस्तित्ववाद

2.5 आधुनिकतावाद

2.6 उत्तर आधुनिकतावाद

इकाई - 3 हिंदी साहित्य में व्यक्त नए विमर्श

3.1 दलित विमर्श

3.2 स्त्री विमर्श

3.3 आदिवासी विमर्श

3.4 किन्नर विमर्श

3.5 दिव्यांग विमर्श

3.6 कृषक विमर्श

3.7 शिक्षा विमर्श

3,8 वृद्ध विमर्श

3.9 पर्यावरण विमर्श

इकाई – 4 प्रयोजनमूलक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

4.1 प्रयुक्ति की संकल्पना और प्रयोजनमूलक हिंदी

4.2 कार्यालयी या प्रशासनिक हिंदी

4.3 बैंकिंग हिंदी

4.4 विधि की हिंदी

4.5 मीडिया की हिंदी

4.6 विज्ञापनों की हिंदी

4.7 खेलकूद की हिंदी

इकाई – 5 हिंदी साहित्य में व्यक्त गांधी

5.1 हिंदी कविता में व्यक्त गांधी

5.2 हिंदी साहित्य की विविध विधाओं में व्यक्त गांधी

5.3 गांधी जी और हिंदी पत्रकारिता

5.4 गांधी जी और उनका जीवन दर्शन

5.5 गांधी जी की भाषा नीति

5.6 राष्ट्रभाषा और गांधी जी

5.7 गांधी जी द्वारा स्थापित राष्ट्रभाषा हिंदी प्रचार समितियाँ

5.8 वर्तमान शिक्षा की चुनौतियाँ और गांधी जी

संदर्भ ग्रंथ

1. नारीवाद के विविध परिप्रेक्ष्य, डॉ. गीता चावडा (गुजराती में), हिंदी अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह
2. हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि, डॉ. विनय कुमार पाठक
3. हिंदी साहित्य के विविध वाद, डॉ. प्रेमनारायण शुक्ल
4. हिंदी साहित्य – युग और प्रवृतियाँ, डॉ. शिव कुमार शर्मा
5. प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह
6. भाषा विज्ञान, डॉ. राम गोपाल सिंह
7. हिंदी साहित्य में व्यक्त गांधी, डॉ. राम गोपाल सिंह
8. हिंदी भाषा का विकास, प्रभाव और जनसंचारपरक परिप्रेक्ष्य, डॉ. राम गोपाल सिंह
9. बैंकिंग हिंदी वाक्य रचना और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह
10. साहित्य में गांधी चेतना, रमेशचंद्र शर्मा
11. राजभाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. राम गोपाल सिंह
12. हिंदी में मीडिया लेखन और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद
# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-7

## MNRHIN—705 प्रयोजनमूलक हिंदी का समस्यामूलक पक्ष

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

आधुनिक काल में हिंदी भाषा के विविध प्रयोजनमूलक रूप पनपे हैं जिनमें राजभाषा या कार्यालयी हिंदी, विधि की हिंदी, पत्रकारिता की हिंदी आदि विविधक्षेत्र शामिल हैं। छात्र प्रयोजनमूलक हिंदी को समझें तथा उनमें इस संबंध में समझ विकसित हो, इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर प्रयोजनमूलक हिंदी के व्यावहारिक एवं समस्यामूलक पक्ष का एक प्रश्नपत्र रखा गया है।

इकाई - 1 हिन्दी का वैज्ञानिक एवं तकनीकी रूप

1.1 वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रायोगिकी क्षेत्रों में हिन्दी
1.2 हिन्दी की वैज्ञानिकी एवं तकनीकी शब्दावली
1.3 हिन्दी कम्प्यूटिंग
1.4 हिन्दी में वैज्ञानिक एवं तकनीकी लेखन
1.5 भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी का भविष्य
1.6 अनुवाद की अवधारणा, विविध क्षेत्र, स्वरूप और महत्व
1.7 प्रयोजनमूलक क्षेत्रों में अनुवाद का अनुप्रयोग

इकाई - 2 जनसंचार माध्यम लेखन

2.1 जनसंचार माध्यमों का स्वरूप – मुद्रित, दृश्य, श्रव्य, इन्टरनेट, सोशल मीडिया आदि
2.2 समाचार पत्र-पत्रिका लेखन और अनुवाद
2.3 रेडियो लेखन और हिन्दी
2.4 दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन और अनुवाद
2.3 विज्ञापन लेखन और अनुवाद

इकाई - 3 जनसंचार माध्यम और अनुवाद

3.1 जनसंचार माध्यम – प्रिंट मीडिया और इलैक्ट्रॉनिक मीडिया
3.2 प्रिंट मीडिया – समाचार पत्र और पत्रिकाएँ
3.3 प्रिंट मीडिया के अनुवाद की समस्याएँ
3.4 इलैक्ट्रॉनिक मीडिया – दृश्य – श्रव्य माध्यम और सोशल मीडिया
3.5 इलैक्ट्रॉनिक मीडिया के अनुवाद की समस्याएँ

इकाई- 4 प्रयोजनमूलक हिंदी का व्यावहारिक पक्ष

4.1 कार्यालयी कार्यविधि और कार्यालयी पत्राचार

4.2 कार्यालयी टिप्पण लेखन और उसके अनुवाद की समस्याएँ
4.3 कार्यालयी पत्राचार और उसके अनुवाद की समस्याएँ
4.4 कार्यालयी पारिभाषिक शब्दावली विषयक समस्याएँ

इकाई- 5 प्रयोजनमूलक हिंदी का समस्यामूलक पक्ष

5.1 जनसंचार माध्यमों की भाषा के अनुवाद की समस्याएँ
5.2 प्रशासनिक साहित्य की भाषा के अनुवाद की समस्याएँ
5.3 विज्ञापन की भाषा और उसके अनुवाद की समस्याएँ
5.4 प्रयोजनमूलक क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली विषयक समस्याएँ

संदर्भ ग्रंथ


1. प्रयोजनमूलक हिन्दी, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी, डॉ. कृष्णकुमार शर्मा
3. इलेक्ट्रोनिक मीडिया, डॉ. सुधीर सोनी, युनि.पब्लिकेशन, जयपुर
4. राजभाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. राम गोपाल सिंह, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद
5. प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. प्रमाणिक आलेखन और टिप्पण, प्रो. विराज, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
8. प्रशासनिक एवं कार्यालय हिन्दी, डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
9. प्रारूपण, टिप्पण, प्रूफपठन, भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. हिन्दी: विविध व्यवहारों की भाषा, सुवास कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. हिंदी कंप्यूटिंग, डॉ. राम गोपाल सिंह, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद
12. कंप्यूटर के विविध आयाम, डॉ. राम गोपाल सिंह, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद
13. अनुवाद की समस्याएँ, डॉ. राम गोपाल सिंह, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-8 (रिसर्च स्ट्रीम)

## **MJRHIN**-801 शोध प्रविधि

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय बी.ए. ऑनर्स पाठ्यक्रम में छात्रों के सातवे सेमेस्टर में शोध पद्धति का ज्ञान प्राप्त करना आवश्यक है जिससे वे सेमेस्टर आठ में किसी शोध विषय का शोधपरक दृष्टि से विवेचन, विश्लेषण एवं मूल्यांकन करते हुए संबंधित विषय क्षेत्र में स्थापनाएँ प्रस्तुत कर सकें। अतः रिसर्च स्ट्रीम के सभी छात्रों के लिए शोध प्रविधि का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करना तथा शोध की विविध प्रणालियों से परिचित होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत रिसर्च स्ट्रीम के सभी छात्रों के लिए शोध प्रविधि का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अध्ययन रखा गया है।

इकाई - 1 शोध की वैज्ञानिक पद्धति

**1.1** शोध की वैज्ञानिक पद्धति की विशेषताएँ

**1.2** शोध की वैज्ञानिक पद्धति के चरण

**1.3** शोधार्थी के गुण

**1.4** शोध रचना के विभिन्न पहलू

**1.5** शोध की वैज्ञानिक प्रविधि

**1.6** सामाजिक एनुसंधान की प्रविधियाँ

इकाई - 2 शोध – संकल्पना या अवधारणा

2.1 संकल्पना या अवधारणा का अर्थ और परिभाषा

2.2 संकल्पना या अवधारणा की विशेषताएँ

2.3 संकल्पना या अवधारणा की प्रकृति

2.4 संकल्पना या अवधारणा के निरपण में आने वाली समस्याएँ

2.5 शोध में संकल्पना या अवधारणा का महत्व

2.6 संकल्पनाओं या अवधारणाओं की रचना करने के विविध चरण

2.7 संकल्पना या अवधारणाके दोष या कमियाँ

2.8 संकल्पना या अवधारणा के प्रकार

इकाई - 3 शोध प्रारूप

3.1 शोध प्रारूप की विशेषताएँ

3.2 शोध प्रारूप के आधार पर शोध के उद्देश्य

3.3 शोध प्रारूप का विभाजन

3.4 उत्कृष्ट शोध प्रारूप के निर्माण हेतु मार्गदर्शक तत्व
3.5 शोध प्रारूप के प्रकार
3.5.1 अन्वेषणात्मक या निरूपात्मक शोध प्रारूप
3.5.2 वर्णनात्मक शोध प्रारूप
3.5.3 निदानात्मक शोध प्रारूप
3.5.4 परीक्षणात्मक शोध प्रारूप

इकाई - 4 संकल्पना या प्राक्कल्पना
4.1 संकल्पना या प्राक्कल्पना का पारिभाषिक परिप्रेक्ष्य
4.2 संकल्पना या प्राक्कल्पना की विशेषताएँ
4.3 संकल्पना या प्राक्कल्पना के स्रोत
4.4 संकल्पना या प्राक्कल्पना के प्रकार्य
4.5 संकल्पना या प्राक्कल्पना के प्रकार
4.6 संकल्पना या प्राक्कल्पना के निर्माण में आने वाली कठिनाइयाँ
4.7 संकल्पना या प्राक्कल्पना की सीमाएँ या दोष
4.8 संकल्पना या प्राक्कल्पना का महत्व

इकाई - 5 प्रश्नावली, अनुसूची और अवलोकन प्रणाली
5.1 प्रश्नावली
5.1.1 प्रश्नावली का अर्थ और परिभाषा
5.1.2 प्रश्नावली की विशेषताएँ
5.1.3 प्रश्नावली के प्रकार
5.1.4 प्रश्नावली का शोध में महत्व
5.1.5 प्रश्नावली की रचना करते समय ध्यान में रखने योग्य बातें
5.1.6 प्रश्नावली के दोष या सीमाएँ
5.1.7 प्रश्नावली के निर्माण की प्रक्रिया
5.1.8 प्रश्नावली के प्रयोग की विधि
5.2 अनुसूची
5.2.1 अनुसूची का अर्थ और परिभाषा
5.2.2 अनुसूची का उद्देश्य
5.2.3 अनुसूची के प्रकार
5.2.4 एक श्रेष्ठ अनुसूची के गुण
5.2.5 तथ्य संग्रहण हेतु अनुसूची का महत्व
5.2.6 अनुसूची की सीमाएँ
5.2.7 अनुसूची के माध्यम से शोधकार्य की योजना
5.2.8 प्रश्नावली और अनुसूची में अंतर
5.3 अवलोकन प्रणाली
5.3.1 अवलोकन प्रणाली का अर्थ और परिभाषा

5.3.2 अवलोकन प्रणाली की विशेषताएँ

5.3.3 अवलोकन प्रणाली के प्रकार

5.3.4 अवलोकन प्रणाली का महत्व

5.3.5 अवलोकन प्रणाली की सीमाएँ

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>


1. अनुसंधान का स्वरूप, डॉ. सावित्री सिन्हा
2. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया, डॉ. राजेंद्र मिश्र
3. अनुसंधान के मूल तत्व, डॉ. विश्वनाथ प्रसाद
4. शोध प्रविधि, डॉ. विजयपाल सिंह
5. अनुसंधान और आलोचना, डॉ. विजयपाल सिंह
6. इतिहास और आलोचना, डॉ. नामवर सिंह
7. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. अनुसंधान – प्रविधि और प्रक्रिया, डॉ. विनय कुमार पाठक
9. आधुनिक शोध पद्धति, डॉ. राम गोपाल सिंह
10. शोध पद्धति, डॉ. राम गोपाल सिंह
11. मॉडर्न रिसर्च मैथडॉलॉजी, डॉ. राम गोपाल सिंह
12. शोध प्रस्तुति, डॉ. मदन मोहन शर्मा
13. शोध – स्वरूप और दृष्टि, डॉ. रामेश्वर शर्मा
14. शोध प्रस्तुति, डॉ. उमा पांडेय
15. शोध भारती पत्रिका के विविध अंक, संपादक – डॉ. राम गोपाल सिंह

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद
# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-8

## MNRHIN—802 हिंदी पत्रकारिता प्रशिक्षण

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

पत्रकारिता आज जीवन-समाज की धड़कन बन गई है। दैनिक समाचार पत्र से लेकर साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, त्रैमासिक, वार्षिक पत्रिकाओं, प्रिन्ट मीडिया, इलैक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट आदि में इसका विकसित स्वरूप देखा जा सकता है। आज सभी के लिए देश-विदेश के जानकारी के साथ अद्यतन रहना आवश्यक सा हो गया है। अतः इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत हिंदी पत्रकारिता प्रशिक्षण के अध्ययन को समाहित किया गया है।

इकाई - 1 पत्रकारिता का स्वरूप, प्रकार और विकास

1.1 पत्रकारिता का स्वरूप

1.2 पत्रकारिता का उद्भव और विकास - उदय काल, भारतेंदु काल, द्विवेदी या तिलक युग, गांधी युग, स्वातंत्र्योत्तर युग

1.3 पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार – प्रकाशन अवधि, आकार रचना, प्रस्तुति, क्षेत्रीयता, और उद्देश्य के आधार पर वर्गीकरण

1.4 पत्रकारिता के मूल तत्व

1.5 समाचार संकलन तथा लेखन के आयाम

इकाई - 2 संपादन कला के सिध्दांत और मुद्रण कला

2.1 शीर्षकीकरण, पृष्ठविन्यास, आमुख और समाचार पत्र का प्रस्तुतीकरण

2.2 समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना

2.3 समाचार संपादन कला में छह ककारों का महत्व

2.4 दृश्य-सामग्री की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता

2.5 मुद्रण कला

2.5.1 मुद्ण कला का स्वरूप

2.5.2 टाइपों का आविष्कार

2.5.3 भारत में मुद्रण कला का आरंभ

2.5.4 भारतीय भाषाओं में मुद्रण

2.5.5 देवनागरी लिपि में मुद्रण

2.5.6 देवनागरी के आधुनिक फोंट और यूनीकोड

2.5.7 देवनागरी के यूनीकोड फोंटों का उपयोग और अभ्यास

इकाई - 3 समाचार संकलन के विभिन्न स्रोत और इलैक्ट्रॉनिक मीडिया विषयक पत्रकारिता

3.1 समाचार संकलन के विविध स्रोत

3.1.1 समाचार एजेंसियाँ, संवाददाता, कोर्च-कचहरियाँ, पुलिस थाना आदि

3.2 इलैक्ट्रॉनिक मीडिया विषयक पत्रकारिता

3.2.1 रेडियो पत्रकारिता

3.2.2 दूरदर्शन पत्रकारिता

3.2.3 वीडियो पत्रकारिता

3.2.4 मल्टी मीडिया पत्रकारिता

3.2.5 इंटरनेट पत्रकारिता

3.2.7 सोशल मीडिया पत्रकारिता

इकाई - 4 पत्रकारिता विषयक लेखन

4.1 संपादकीय लेखन

4.2 समाचार लेखन

4.3 फीचर, फीचर के प्रकार, फीचर की संरचना, शफल फीचर लेखन, रेडियो फीचर

4.4 रिपोर्ताज, रेडियो रिपोर्ताज, दूरदर्शन रिपोर्ताज

4.5 साक्षात्कार

इकाई - 5 हिंदी पत्रकारिता के विविध रूप

5.1 साहित्यिक पत्रकारिता

5.2 धार्मिक पत्रकारिता

5.3 बाल पत्रकारिता

5.4 खेल पत्रकारिता

5.5 कृषि पत्रकारिता

5.6 विज्ञान पत्रकारिता

5.7 वाणिज्य पत्रकारिता

5.8 फिल्म और वीडियो पत्रकारिता

5.9 कार्टून और फोटो पत्रकारिता

5.10 नारी विषयक पत्रकारिता

संदर्भ ग्रन्थ

1. पत्रकारिता - विविध विधाएँ, डॉ. राजकुमारी रानी, जयभारती प्रकाशन, दिल्ली
2. समाचार पत्र प्रबंधन, डॉ. गुलाब कोठारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. समाचार संपादन, कमल दीक्षित, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. फीचर लेखन - स्वरूप और शिल्प, डॉ. मनोहर प्रभाकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. मीडिया और बाज़ारवाद, संपादक - रामशरण जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी पत्रकारिता - स्वरूप और संदर्भ, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. राष्ट्रीय नवजागरण और हिन्दी पत्रकारिता, मीरा रानी बल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

8. पत्रकारिता के उत्तर आधुनिक चरण, कृपाशंकर चौबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. समाचार पत्रों की भाषा, माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार,डॉ. ठाकुर दत्त आलोक, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. जनसंचार माध्यम और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद
12. राजभाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. राम गोपाल सिंह, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद
13. हिंदी में मीडिया लेखन और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
14. हिंदी में पत्रकारिता लेखन, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
15. पत्रकारिता प्रशिक्षण, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-8 (रिसर्च स्ट्रीम)

**MJRHIN**-803 डिजर्टेशन कुल क्रेडिट-08

उद्देश्य :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय बी.ए. ऑनर्स पाठ्यक्रम में छात्रों के सातवे सेमेस्टर में शोध पद्धति का ज्ञान प्राप्त करने के उपरांत आठवे सेमेस्टर में किसा चयनित शोध विषय पर शोध परियोजना के रूप में डिजर्टेशन प्रस्तुत करना आवश्यक है जिससे वे सेमेस्टर आठ में किसी शोध विषय का शोधपरक दृष्टि से विवेचन, विश्लेषण एवं मूल्यांकन करते हुए संबंधित विषय क्षेत्र में स्थापनाएँ प्रस्तुत कर सकें। अतः रिसर्च स्ट्रीम के सभी छात्रों के लिए शोध प्रविधि का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करना तथा शोध की विविध प्रणालियों से परिचित होना भी आवश्यक है। इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत रिसर्च स्ट्रीम के सभी छात्र शोध परियोजना के रूप में किसी एक चयनित शोध विषय पर एक डिजर्टेशन प्रस्तुत करेंगे जिसका मूल्यांकन करके अंक दिए जाएँगे। शोध परियोजना के रूप में डिजर्टेशन कुल 12 क्रेडिट का होगा।

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद
# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-8 (गैर-रिसर्च स्ट्रीम)
## **MJRHIN**-804 हिंदी साहित्य के विविध विमर्श

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय बी.ए. ऑनर्स पाठ्यक्रम में गैर-रिसर्च स्ट्रीम के छात्रों को आठवे सेमेस्टर में शोध पद्धति का ज्ञान प्राप्त करने के साथ चार मेजर (16 क्रेडिट) और एक माइनर (4 क्रेडिट) के प्रश्नपत्रों का अध्ययन आवश्यक है। रिसर्च स्ट्रीम के छात्रों को एक मेजर (4 क्रेडिट), एक माइनर (4 क्रेडिट) के साथ किसी चयनित शोध विषय पर एक शोध परियोजना कार्य (12 क्रेडिट) सम्पन्न करके मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत करना आवश्यक है। अतः गैर-रिसर्च स्ट्रीम के आठवे सेमेस्टर के बी.ए. ओनर्स के सभी छात्रों के लिए हिंदी साहित्य के विविध विमर्श विषयक प्रस्तुत प्रश्नपत्र अध्यापनार्थ समाहित किया गया है।

इकाई - 1 हिंदी साहित्य में दलित विमर्श

1.1 दलित विमर्श की अवधारणा
1.2 दलित विमर्श का स्वरूप
1.3 दलित विमर्श का उद्भव और विकास
1.4 हिंदी दलित साहित्य और दलित विमर्श
1.5 हिंदी दलित साहित्य और दलित विमर्श के प्रमुख रचनाकार
1.6 हिंदी में दलित विमर्श, दलित आंदोलन बनाम दलित राजनीति

इकाई - 2 हिंदी साहित्य में नारी विमर्श

2.1 नारी विमर्श की अवधारणा
2.2 नारी विमर्श का स्वरूप
2.3 नारी विमर्श का उद्भव और विकास
2.4 नारी विमर्श विषयक साहित्य
2.5 नारी विमर्श विषयक साहित्य के प्रमुख रचनाकार
2.6 हिंदी में नारी विमर्श विषयक आंदोलन

इकाई - 3 हिंदी साहित्य में पर्यावरण विषयक विमर्श

3.1 पर्यावरण विषयक विमर्श की अवधारणा
3.2 पर्यावरण विषयक विमर्श का स्वरूप
3.3 पर्यावरण विषयक विमर्श का उद्भव और विकास
3.4 पर्यावरण विषयक विमर्श संबंधी साहित्य
3.5 पर्यावरण विषयक विमर्श संबंधी साहित्य के प्रमुख रचनाकार
3.6 हिंदी में पर्यावरण विषयक विमर्श संबंधी आंदोलन

इकाई - 4 हिंदी साहित्य में कृषक विषयक विमर्श

4.1 कृषक विषयक विमर्श की अवधारणा

4.2 कृषक विषयक विमर्श का स्वरूप

4.3 कृषक विषयक विमर्श का उद्भव और विकास

4.4 कृषक विषयक विमर्श संबंधी साहित्य

4.5 कृषक विषयक विमर्श संबंधी साहित्य के प्रमुख रचनाकार

4.6 हिंदी में कृषक विषयक विमर्श संबंधी आंदोलन

इकाई – 5 हिंदी साहित्य में वृद्ध विषयक विमर्श

5.1 वृद्ध विषयक विमर्श की अवधारणा

5.2 वृद्ध विषयक विमर्श का स्वरूप

5.3 वृद्ध विषयक विमर्श का उद्भव और विकास

5.4 वृद्ध विषयक विमर्श संबंधी साहित्य

5.5 वृद्ध विषयक विमर्श संबंधी साहित्य के प्रमुख रचनाकार

5.6 हिंदी में वृद्ध विषयक विमर्श संबंधी आंदोलन

संदर्भ ग्रन्थ

1. दलित साहित्य एवं सामाजिक सरोकार, रमणिका गुप्ता
2. दलित साहित्य का मूल्यांकन, प्रो. चमनलाल
3. भारतीय दलित साहित्य, पुन्नीलाल
4. दलित साहित्य के प्रतिमान, डॉ. एन. सिंह
5. हिंदी दलित आत्मकथाएँ – एक मूल्यांकन, डॉ. अभय परमार
6. हिंदी साहित्य में व्यक्त विविध विमर्श, डॉ. संजय चौधरी, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद
7. डॉ. विनयकुमार पाठक के साहित्य में व्यक्त विविध विमर्श, डॉ. विक्रम भडाणिया, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद
8. पर्यावरण विमर्श, डॉ. विनय कुमार पाठक तथा अन्य, भावना प्रकाशन, दिल्ली
9. कृषक एवं वृद्ध विमर्श, डॉ. विनय कुमार पाठक तथा अन्य, भावना प्रकाशन, दिल्ली
10. कृषक एवं वृद्ध विमर्श, डॉ. दिलीप मेहरा, वल्लभविद्यानगर
11. नारीवाद के विविध परिप्रेक्ष्य, डॉ. गीता चावडा (गुजराती में), हिंदी अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-8 (गैर-रिसर्च स्ट्रीम)

## **MJRHIN**-805 विशेष साहित्यकार भीष्म साहनी

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय बी.ए. ऑनर्स पाठ्यक्रम में गैर-रिसर्च स्ट्रीम के छात्रों को आठवे सेमेस्टर में शोध पद्धति का ज्ञान प्राप्त करने के साथ चार मेजर (16 क्रेडिट) और एक माइनर (4 क्रेडिट) के प्रश्नपत्रों का अध्ययन आवश्यक है। रिसर्च स्ट्रीम के छात्रों को एक मेजर (4 क्रेडिट), एक माइनर (4 क्रेडिट) के साथ किसी चयनित शोध विषय पर एक शोध परियोजना कार्य (12 क्रेडिट) सम्पन्न करके मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत करना आवश्यक है। अतः गैर-रिसर्च स्ट्रीम के आठवे सेमेस्टर के बी.ए. ओनर्स के सभी छात्रों के लिए विशेष साहित्यकार भीष्म साहनी विषयक प्रस्तुत प्रश्नपत्र अध्यापनार्थ समाहित किया गया है। स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए यह आवश्यक है कि वे किसी ऐसे विशिष्ट साहित्यकार के समग्र साहित्य की भी जानकारी प्राप्त करें, जिसका चिंतन और सर्जन के क्षेत्र में तो विशिष्ट योगदान रहा ही हो; साथ ही, उनके लेखन की प्रासंगिकता भी वर्तमान संदर्भ में हो। इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत विशेष साहित्यकार के रूप में भीष्म साहनी का अध्ययन समाहित किया गया है।

इकाई - 1 भीष्म साहनी : व्यक्तित्व, कृतित्व एवं साहित्य

- **1.1** भीष्म साहनी : व्यक्तित्व
- **1.2** भीष्म साहनी : कृतित्व
- **1.3** भीष्म साहनी : साहित्य
  - **1.3.1** `झरोखे` (उपन्यास)
  - **1.3.2** `कबीरा खड़ा बाजार में` (नाटक)
  - **1.3.3** `मेरी प्रिय कहानियाँ` (कहानी-संग्रह)

इकाई - 2 भीष्म साहनी कृत झरोखे (उपन्यास) का विशेष अध्ययन

- 2.1 `झरोखे` (उपन्यास) का तात्विक अध्ययन
- 2.2 `झरोखे` (उपन्यास) में व्यक्त सामाजिक चेतना
- 2.3 `झरोखे` (उपन्यास) में व्यक्त आर्थिक चेतना
- 2.4 `झरोखे` (उपन्यास) में व्यक्त धार्मिक चेतना
- 2.5 `झरोखे` (उपन्यास) में व्यक्त राजनीतिक चेतना

इकाई - 3 ‘कबीरा खड़ा बाजार में’ नाटक का विशेष अध्ययन

- 3.1 ‘कबीरा खड़ा बाजार में’ का कथानक
- 3.2 पात्र एवं चरित्र चित्रण
- 3.3 देशकाल और वातावरण

3.4 अन्य तत्वों के आधार पर 'कबीरा खड़ा बाजार में' की समीक्षा

3.5 'कबीरा खड़ा बाजार में' की कथ्यगत विशेषताएँ

3.5.1 मूल्यगत टकराव

3.5.2 जीवन में मर्यादा एवं सत्य की महत्ता

3.5.3 युगबोध की व्यापकता

**3.5.4** वैयक्तिक जीवनादर्श

3.5.5 राजनीतिक जीवनादर्श

3.5.6 नारी के प्रति रचनाकार का दृष्टिकोण

इकाई – 4 'कबीरा खड़ा बाजार में' का शिल्प-विधान

**4.1** 'कबीरा खड़ा बाजार में' की गीत योजना

**4.2** 'कबीरा खड़ा बाजार में' में व्यक्त मिथक तत्व

**4.3** 'कबीरा खड़ा बाजार में' की भाषा-शैली

**4.4** 'कबीरा खड़ा बाजार में' की रंगमंचीयता

**4.5** 'कबीरा खड़ा बाजार में' की शिल्पगत विशेषताएँ

इकाई - 5 भीष्म साहनी द्वारा लिखित चयनित कहानियों का विशेष अध्ययन

5.1 `गंगो का जाया`

5.2 `सिफारिशी चिट्ठी`

5.3 `चीफ की दावत`

5.4 उपर्युक्त कहानियों का कथ्य एवं शिल्प

5.5 उपर्युक्त कहानियों का तात्विक अध्ययन

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>

1. भीष्म साहनी : व्यक्ति और रचना, राजेश्वर सक्सेना, प्रताप ठाकुर,वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. साहित्य के नये धरातल, शंकाएँ और दिशाएँ, कुमार केसरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. मानव मूल्य और साहित्य, धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी
4. भीष्म साहनीः उपन्यास साहित्य, विवेक द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. भीष्म साहनी, श्याम कश्यप, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. दृश्य-अदृश्य (नाट्य विमर्श), नेमिचन्द्र जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. हिन्दी नाटकः रंग शिल्प दर्शन, विकल गौतम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद
# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-8 (गैर-रिसर्च स्ट्रीम)
## **MJRHIN**-806 विशेष साहित्यकार प्रेमचंद

कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य : राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय बी.ए. ऑनर्स पाठ्यक्रम में गैर-रिसर्च स्ट्रीम के छात्रों को आठवे सेमेस्टर में शोध पद्धति का ज्ञान प्राप्त करने के साथ चार मेजर (16 क्रेडिट) और एक माइनर (4 क्रेडिट) के प्रश्नपत्रों का अध्ययन आवश्यक है। रिसर्च स्ट्रीम के छात्रों को एक मेजर (4 क्रेडिट), एक माइनर (4 क्रेडिट) के साथ किसी चयनित शोध विषय पर एक शोध परियोजना कार्य (12 क्रेडिट) सम्पन्न करके मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत करना आवश्यक है। अतः गैर-रिसर्च स्ट्रीम के आठवे सेमेस्टर के बी.ए. ओनर्स के सभी छात्रों के लिए विशेष साहित्यकार प्रेमचंद विषयक प्रस्तुत प्रश्नपत्र अध्यापनार्थ समाहित किया गया है। स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए यह आवश्यक है कि वे किसी ऐसे विशिष्ट साहित्यकार के समग्र साहित्य की भी जानकारी प्राप्त करें, जिसका चिंतन और सर्जन के क्षेत्र में तो विशिष्ट योगदान रहा ही हो; साथ ही, उनके लेखन की प्रासंगिकता भी वर्तमान संदर्भ में हो। इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत विशेष साहित्यकार के रूप में प्रेमचंद का अध्ययन समाहित किया गया है।

इकाई - 1 प्रेमचंद : व्यक्तित्व, कृतित्व एवं साहित्य

- **1.1** प्रेमचंद : व्यक्तित्व के विविध आयाम
- **1.2** प्रेमचंद : समग्र कृतित्व का परिचय
- **1.3** प्रेमचंद : साहित्यिक समीक्षा
  - **1.3.1** `गोदान` (उपन्यास) की समीक्षा
  - **1.3.2** `बड़े भाई साहब` (कहानी) की समीक्षा
  - **1.3.3** `दो बैलों की कथा` (कहानी) की समीक्षा
  - **1.3.4** `पूस की रात` (कहानी) की समीक्षा

इकाई - 2 प्रेमचंद कृत गोदान (उपन्यास) का विशेष अध्ययन

- 2.1 `गोदान` (उपन्यास) का तात्विक अध्ययन
- 2.2 `गोदान` (उपन्यास) में व्यक्त सामाजिक चेतना
- 2.3 `गोदान` (उपन्यास) में व्यक्त आर्थिक चेतना
- 2.4 `गोदान` (उपन्यास) में व्यक्त धार्मिक चेतना
- 2.5 `गोदान` (उपन्यास) में व्यक्त राजनीतिक चेतना
- 2.6 `गोदान` (उपन्यास) में व्यक्त दलित चेतना
- 2.7 `गोदान` (उपन्यास) में व्यक्त कृषक चेतना

इकाई - 3 प्रेमचंद द्वारा लिखित चयनित कहानी का विशेष अध्ययन : `बड़े भाई साहब` (कहानी)

- 3.1 `बड़े भाई साहब` (कहानी) का पठन

3.2 `बड़े भाई साहब` (कहानी) का तात्विक अध्ययन

3.3 `बड़े भाई साहब` (कहानी) का वर्ण्य विषय

3.4 `बड़े भाई साहब` (कहानी) का कथ्य एवं शिल्प

3.5 `बड़े भाई साहब` (कहानी) का तात्विक अध्ययन

3.6 `बड़े भाई साहब` (कहानी) में व्यक्त सामाजिक चेतना

इकाई - 4 प्रेमचंद द्वारा लिखित चयनित कहानी का विशेष अध्ययन : `दो बैलों की कथा` (कहानी)

4.1 `दो बैलों की कथा` (कहानी) का पठन

4.2 `दो बैलों की कथा` (कहानी) का तात्विक अध्ययन

4.3 `दो बैलों की कथा` (कहानी) का वर्ण्य विषय

4.4 `दो बैलों की कथा` (कहानी) का कथ्य एवं शिल्प

4.5 `दो बैलों की कथा` (कहानी) में व्यक्त कृषक पशुगत चेतना

4.6 `दो बैलों की कथा` (कहानी) में व्यक्त सामाजिक चेतना

इकाई - 5 प्रेमचंद द्वारा लिखित चयनित कहानी का विशेष अध्ययन : `पूस की रात` (कहानी)

5.1 `पूस की रात` (कहानी) का पठन

5.2 `पूस की रात` (कहानी) का तात्विक अध्ययन

5.3 `पूस की रात` (कहानी) का वर्ण्य विषय

5.4 `पूस की रात` (कहानी) का कथ्य एवं शिल्प

5.5 `पूस की रात` (कहानी) में व्यक्त कृषक चेतना

5.5 `पूस की रात` (कहानी) में व्यक्त सामाजिक चेतना

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>


1. गोदान, प्रेमचंद
2. प्रेमचंद : प्रतिनिधि कहानियाँ, (सं.) मोहन गुप्त
3. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार, विश्वनाथ त्रिपाठी
4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कथा साहित्य और ग्राम, विवेकी राय
5. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. माधव सोनटक्के
6. आधुनिकता और हिन्दी साहित्य ( कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास), इन्द्रनाथ मदान
7. प्रेमचंद (सं.) सत्येन्द्र
8. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी
9. हिंदी साहित्य का प्रवृतिपरक इतिहास, डॉ. रमापति मिश्र
10. हिंदी साहित्य का इतिहास, कमल नारायण टंडन
11. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. हिन्दी साहित्य का सुबोघ इतिहास, बाबू गुलाबराय, पुस्तक प्रकाशन, आगरा
13. हिंदी साहित्य का इतिहास, जयनारायण वर्मा
14. हिंदी साहित्य का इतिहास, शिवकुमार शर्मा

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद
# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी सेमेस्टर-8 (गैर-रिसर्च स्ट्रीम)
## **MJRHIN**-807 हिंदी कथा साहित्य का विशेष अध्ययन
कुल घंटे-60 कुल क्रेडिट-04

उद्देश्य :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय बी.ए. ऑनर्स पाठ्यक्रम में गैर-रिसर्च स्ट्रीम के छात्रों को आठवे सेमेस्टर में शोध पद्धति का ज्ञान प्राप्त करने के साथ चार मेजर (16 क्रेडिट) और एक माइनर (4 क्रेडिट) के प्रश्नपत्रों का अध्ययन आवश्यक है। रिसर्च स्ट्रीम के छात्रों को एक मेजर (4 क्रेडिट), एक माइनर (4 क्रेडिट) के साथ किसी चयनित शोध विषय पर एक शोध परियोजना कार्य (12 क्रेडिट) सम्पन्न करके मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत करना आवश्यक है। अतः गैर-रिसर्च स्ट्रीम के आठवे सेमेस्टर के बी.ए. ओनर्स के सभी छात्रों के लिए हिंदी कथा साहित्य का विशेष अध्ययन विषयक प्रस्तुत प्रश्नपत्र अध्यापनार्थ समाहित किया गया है। स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए यह आवश्यक है कि वे किसी ऐसे विशिष्ट समग्र साहित्य की भी जानकारी प्राप्त करें, जिससे उनका चिंतन और सर्जन विषयक दृष्टकोण व्यापक हो; साथ ही, साहित्य विशेष के लेखन की प्रासंगिकता भी वर्तमान संदर्भ में हो। इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत हिंदी कथा साहित्य का विशेष अध्ययन समाहित किया गया है। कथा साहित्य के बारे में छात्रों को विधिवत एवं व्यापक जानकारी प्राप्त हो, इस उद्देश्य से हिंदी उपन्यास एवं कहानी विधा को रखा गया है। इस प्रश्नपत्र के माध्यम से छात्र हिंदी कथा साहित्य में व्यक्त नगर जीवन की समस्याओं से अवगत होंगे तथा अपने आसपास के परिवेश में उस प्रकार की समस्याओं को टोहने की कोशिश करेंगे जिससे उनकी अवलोकन शक्ति का विकास होगा।

इकाई - 1 कमलेश्वर और उनका उपन्यास 'समुद्र में खोया हुआ आदमी'

- **1.1** कमलेश्वर : व्यक्तित्व
- **1.2** कमलेश्वर : कृतित्व
- **1.3** कमलेश्वर का साहित्यिक योगदान
- **1.4** कमलेश्वर और उनके समकालीन उपन्यासकार
- **1.5** कमलेश्वर का उपन्यास 'समुद्र में खोया हुआ आदमी' का परिचय

इकाई - 2 कमलेश्वर का उपन्यास 'समुद्र में खोया हुआ आदमी'

- 2.1 'समुद्र में खोया हुआ आदमी' का कथ्य
- 2.2 'समुद्र में खोया हुआ आदमी' का शिल्प विधान
- 2.3 'समुद्र में खोया हुआ आदमी' में व्यक्त समस्याएँ
- 2.4 'समुद्र में खोया हुआ आदमी' उपन्यास का उद्देश्य

इकाई -3 'समुद्र में खोया हुआ आदमी' उपन्यास का तात्विक विश्लेषण

- 3.1 'समुद्र में खोया हुआ आदमी' उपन्यास की कथ्यगत विशेषताएँ

3.2 ‘समुद्र में खोया हुआ आदमी’ उपन्यास की पात्रगत विशेषताएँ

3.3 ‘समुद्र में खोया हुआ आदमी’ उपन्यास की कथोपकथन एवं संवाद योजना

3.4 ‘समुद्र में खोया हुआ आदमी’ उपन्यास का देशकाल और वातावरण

3.5 ‘समुद्र में खोया हुआ आदमी’ उपन्यास की भाषा-शैली

इकाई - 4 चयनित आधुनिक हिन्दी कहानियों का विशेष अध्ययन

**4.1** कमलेश्वर : `परदा` कहानी का विशेष अध्ययन

**4.2** हरिशंकर परसाई : `भोलाराम का जीव` का विशेष अध्ययन

**4.3** उषा प्रियंवदा : `जिन्दगी और गुलाब के फूल` का विशेष अध्ययन

**4.4** ज्ञानरंजन : `फेन्स के इधर और उधर` का विशेष अध्ययन

**4.5** उपर्युक्त कहानियों की कथ्यगत विशेषताएँ

**4.6** उपर्युक्त कहानियों की पात्र एवं चरित्र-चित्रण योजना

**4.7** उपर्युक्त कहानियों का शिल्प विधान

**4.8** उपर्युक्त कहानियों की भाषा-शैली

इकाई - 5 उपर्युक्त कहानियों की तात्विक समीक्षा

5.1 उपर्युक्त कहानियों में व्यक्त प्रमुख समस्याएँ

5.2 उपर्युक्त कहानियों में व्यक्त संवेदना और ऐतिहासिकता

5.3 उपर्युक्त कहानियों में व्यक्त आधुनिक भावबोध और व्यंग्य

5.4 उपर्युक्त कहानियों का उद्देश्य

<u>संदर्भ ग्रंथ</u>


**1.** हिन्दी उपन्यास : एक अनंतयात्रा, (सं.) अशोक वाजपेयी

**2.** आठवें दशक के हिन्दी उपन्यास, रजनीकान्त जैन

**3.** उपन्यास : स्थिति और गति, डॉ. चंद्रकान्त बांदिवडेकर

**4.** हिन्दी उपन्यास और यर्थादवाद, डॉ. त्रिभुवन सिंह

**5.** मन्नू भंडारी की कहानियों में आधुनिकता बोध, प्रा. उमा केवलराम

**6.** साठोत्तर हिन्दी उपन्यास और नगरबोध, डॉ. प्रिया नायक

**7.** स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कथा साहित्य और ग्राम जीवन, विवेकीराय

**8.** आधुनिकता और हिन्दी साहित्य ( कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास), इन्द्रनाथ मदान

**9.** हिन्दी उपन्यास साहित्य में दाम्पत्य जीवन, डॉ. उर्मिला भटनागर

**10.** साठोत्तरी हिन्दी उपन्यासों का शिल्प, डॉ. शोभा वबेरेकर

**11.** हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष, सं. रामदरश मिश्र

**12.** नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी

**13.** कुछ कहानियाँ : कुछ विचार, विश्वनाथ त्रिपाठी

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

# बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी Multidisciplinary Course

## Multidisciplinary Course संस्कृति और मीडिया

कुल घंटे-30 कुल क्रेडिट-03

उद्देश्य :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय बी.ए. ऑनर्स पाठ्यक्रम में मल्टी-डिस्सीप्लिनरी अध्ययन विषयक प्रस्तुत प्रश्नपत्र संस्कृति और मीडिया अध्यापनार्थ समाहित किया गया है। स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए यह आवश्यक है कि वे किसी ऐसे मल्टी-डिस्सीप्लिनरी साहित्य की भी जानकारी प्राप्त करें, जिससे उनका चिंतन और सर्जन विषयक दृष्टकोण व्यापक हो; साथ ही, साहित्य विशेष के संदर्भ में उनकी दृष्टि व्यापक भी हो। इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत मल्टी-डिस्सीप्लिनरी कोर्स के रूप में संस्कृति और मीडिया का विशेष अध्ययन समाहित किया गया है।

इकाई - 1 भाषा और संस्कृति

1.1 सामाजिक संस्कृति
1.2 राजनीतिक संस्कृति
1.2 आर्थिक संस्कृति
1.3 धार्मिक संस्कृति
1.4 हिंदी भाषा की सामाजिक संस्कृति

इकाई - 2 दृश्य-श्रव्य मीडिया और संस्कृति

2.1 दूरदर्शन के हिंदी धारावाहिकों का हिंदी सामाजिक संस्कृति पर असर
2.2 प्राईवेट चैनलों के हिंदी धारावाहिकों का हिंदी की सामाजिक संस्कृति पर असर
2.3 हिंदी की सामाजिक-पारिवारिक शब्दावली और सामाजिकता
2.4 हिंदी फिल्मों का हिंदी की सामाजिक संस्कृति पर असर

इकाई - 3 सोशल मीडिया और संस्कृति

3.1 वाट्सएप और सांस्कृतिक प्रभाव
3.2 फेसबुक और सांस्कृतिक प्रभाव
3.3 ट्विटर और सांस्कृतिक प्रभाव
3.4 अन्य सोशल मीडिया का प्रभाव

इकाई - 4 इंटरनेट और मीडिया और संस्कृति

4.1 इंटरनेट और उससे जुड़े उपकरणों का सामाजिक संस्कृति पर असर
4.2 इंटरनेट और उससे जुडे मोबाइल का सामाजिक संस्कृति पर असर
4.3 मोबाइल की सामाजिक दुराव में भूमिका
4.4 मीडिया का सामाजिक संस्कृति पर असर
4.5 भ्रामक सूचनाओं का असर

इकाई - 5 संस्कृति और मीडिया – लाभ और हानि

5.1 मीडिया – संस्कृति का प्रसारक
5.2 मीडिया – सांस्कृतिक फलक को व्यापक बनाने का साधन
5.3 मीडिया की सूचनात्मकता के त्वरित प्रसारण में महती भूमिका
5.4 मीडिया – संस्कृति का वाहक
5.5 मीडिया – गलतफहमियों का त्वरित प्रसारक
5.6 मीडिया – भ्रामक सूचनाओं का विस्तारक
5.7 सामाजिक विलगाव का प्रसारक
5.8 गलत हाथों में जाने से इंटरनेट बंद करके हस्तक्षेप
5.9 मीडिया – बाजारवाद का पोषक
5.10 भ्रामक विज्ञापनों का समाज पर असर
5.11 इलेक्ट्रॉनिक युग में फ्रोड का पोषक

संदर्भ ग्रन्थ


1. पत्रकारिता - विविध विधाएँ, डॉ. राजकुमारी रानी, जयभारती प्रकाशन, दिल्ली
2. समाचार पत्र प्रबंधन, डॉ. गुलाब कोठारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. समाचार संपादन, कमल दीक्षित, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. फीचर लेखन - स्वरूप और शिल्प, डॉ. मनोहर प्रभाकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. मीडिया और बाज़ारवाद, संपादक - रामशरण जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी पत्रकारिता - स्वरूप और संदर्भ, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. राष्ट्रीय नवजागरण और हिन्दी पत्रकारिता, मीरा रानी बल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. पत्रकारिता के उत्तर आधुनिक चरण, कृपाशंकर चौबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. समाचार पत्रों की भाषा, माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार,डॉ. ठाकुर दत्त आलोक, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. जनसंचार माध्यम और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद
12. राजभाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. राम गोपाल सिंह, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद
13. हिंदी में मीडिया लेखन और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
14. पत्रकारिता लेखन, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद
## बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी **Multidisciplinary Course**
## **Multidisciplinary Course हिंदी पत्रकारिता**

कुल घंटे-30 कुल क्रेडिट-03

उद्देश्य :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय बी.ए. ऑनर्स पाठ्यक्रम में मल्टी-डिस्सीप्लिनरी अध्ययन विषयक प्रस्तुत प्रश्नपत्र हिंदी पत्रकारिता अध्यापनार्थ समाहित किया गया है। स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए यह आवश्यक है कि वे किसी ऐसे मल्टी-डिस्सीप्लिनरी साहित्य की भी जानकारी प्राप्त करें, जिससे उनका चिंतन और सर्जन विषयक दृष्टकोण व्यापक हो; साथ ही, साहित्य विशेष के संदर्भ में उनकी दृष्टि व्यापक भी हो। इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत मल्टी-डिस्सीप्लिनरी कोर्स के रूप में हिंदी पत्रकारिता का विशेष अध्ययन समाहित किया गया है।

पत्रकारिता आज जीवन-समाज की धड़कन बन गई है। दैनिक समाचार पत्र से लेकर साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, त्रैमासिक, वार्षिक पत्रिकाओं, प्रिन्ट मीडिया, इलैक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट आदि में इसका विकसित स्वरूप देखा जा सकता है। आज सभी के लिए देश-विदेश के जानकारी के साथ अद्यतन रहना आवश्यक सा हो गया है। अतः इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत हिंदी पत्रकारिता के अध्ययन को समाहित किया गया है।

इकाई - 1 पत्रकारिता का स्वरूप और विकास

1.1 पत्रकारिता का स्वरूप

1.2 पत्रकारिता का उद्भव और विकास

1.2 पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार

1.3 समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व

1.4 समाचार संकलन तथा लेखन के आयाम

इकाई - 2 संपादन कला के सामान्य सिध्दांत

2.1 शीर्षकीकरण, पृष्ठविन्यास, आमुख और समाचार पत्र का प्रस्तुतीकरण

2.2 समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना

2.3 दृश्य-सामग्री की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता

इकाई - 3 समाचार संकलन के विभिन्न स्रोत

3.1 समाचार एजेंसियाँ

3.2 संवाददाता

3.3 कोर्ट-कचहरियाँ

3.4 अस्पताल

3.5 पुलिस स्टेशन

3.6 अन्य स्रोत

इकाई - 4 पत्रकारिता विषयक लेखन

4.1 संपादकीय

4.2 समाचार लेखन

4.3 फीचर

4.4 रिपोर्ताज

4.5 साक्षात्कार

इकाई - 5 विज्ञापन

5.1 विज्ञापन का अर्थ और स्वरूप

5.2 विज्ञापन के प्रकार

5.3 विज्ञापन लेखन

5.4 विज्ञापन की भाषा

संदर्भ ग्रन्थ


1. पत्रकारिता - विविध विधाएँ, डॉ. राजकुमारी रानी, जयभारती प्रकाशन, दिल्ली
2. समाचार पत्र प्रबंधन, डॉ. गुलाब कोठारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. समाचार संपादन, कमल दीक्षित, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. फीचर लेखन - स्वरूप और शिल्प, डॉ. मनोहर प्रभाकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. मीडिया और बाज़ारवाद, संपादक - रामशरण जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी पत्रकारिता - स्वरूप और संदर्भ, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. राष्ट्रीय नवजागरण और हिन्दी पत्रकारिता, मीरा रानी बल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. पत्रकारिता के उत्तर आधुनिक चरण, कृपाशंकर चौबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. समाचार पत्रों की भाषा, माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार,डॉ. ठाकुर दत्त आलोक, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. जनसंचार माध्यम और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद
12. राजभाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. राम गोपाल सिंह, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद
13. हिंदी में मीडिया लेखन और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
14. पत्रकारिता लेखन, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

# म.दे. समाजसेवा संकुल, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

## बी.ए.(ओनर्स), हिन्दी **Ability Enhancement Course (AEC)**

## Ability Enhancement Course (AEC) हिंदी भाषा

कुल घंटे-30 कुल क्रेडिट-03

उद्देश्य :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय बी.ए. ऑनर्स पाठ्यक्रम में एबिलिटी इनहेंसमेंट कोर्स विषयक प्रस्तुत प्रश्नपत्र हिंदी भाषा अध्यापनार्थ समाहित किया गया है। स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए यह आवश्यक है कि वे किसी ऐसे एबिलिटी इनहेंसमेंट कोर्स (**Ability Enhancement Course**) (**AEC**) की भी जानकारी प्राप्त करें, जिससे उनका चिंतन और सर्जन विषयक दृष्टकोण व्यापक हो; साथ ही, साहित्य विशेष के संदर्भ में उनकी दृष्टि व्यापक भी हो। इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत एबिलिटी इनहेंसमेंट कोर्स के रूप में हिंदी भाषा का विशेष अध्ययन समाहित किया गया है।

इकाई - 1 हिंदी भाषा का स्वरूप और विकास

1.1 हिंदी भाषा का स्वरूप

1.1.1 खड़ी बोली हिंदी के विकास में फोर्ट विलियम कॉलेज की भूमिका

1.1.2 भारतेंदुकालीन हिंदी का स्वरूप

1.1.3 द्विवेदीकालीन हिंदी का स्वरूप

1.1.4 स्वातंत्र्योत्तरकालीन हिंदी का स्वरूप

1.2 राष्ट्रभाषा और राजभाषा के रूप में हिंदी का विकास

1.2 देवनागरी वर्तनी और अंकों का मानकीकरण

1.3 मानक देवनागरी वर्तनी और अंक

1.4 देवनागरी वर्तनी और अंकों का विभिन्न भाषाओं में उपयोग

इकाई - 2 हिंदी भाषा के शब्द

2.1 पर्यायवाची और समानार्थक शब्द

2.2 विलोमार्थक शब्द

2.3 अनेकार्थक शब्द

2.4 अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द

2.5 तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी, अज्ञातव्युत्पत्तिक, संकर और पारिभाषिक शब्द

2.6 मुहावरे और लोकोक्तियाँ

इकाई – 3 हिंदी भाषा में सारांश लेखन

3.1 सारांश की विशेषताएँ – संतुलित आकार, विचारों की शुद्धता, आत्म भाषा-शैली का प्रयोग, प्रभावात्मकता, स्वतः पूर्णता, सुसंबद्धता, भाषागत परिवर्तन

3.2 सारांश लेखन के विषयगत निर्देश – मूल अवतरण का वाचन, मुख्य विचारों का चयन एवं रेखांकन, सारांश का प्रूप लेखन, मूल अवतरण तथा सारांश के प्रूप की तुलना,

आकार निरीक्षण, भाषा परिष्कार, शीर्षकांकन, सारांश लेखन

3.3 सारांश लेखन हेतु कुछ आवश्यक निर्देश

3.4 सारांश लेखन का अभ्यास

इकाई - 4 विस्तारण

4.1 विस्तारण का महत्व और उपयोगिता

4.2 विस्तारण तथा अन्य रचना रूप – विस्तारण एवं व्याख्या, विस्तारण एवं स्पष्टीकरण, विस्तारण और भावार्थ, विस्तारण का आशय

4.3 विस्तारण विधि – ध्यानपूर्वक पठन, मूल और सहायक भावों के विषय में चिंतन, मूल और सहायक भावों का लेखन, मूल भावों की पुष्टि हेतु दृष्टांतों का लेखन, प्रारूप लेखन, प्रारूप निरीक्षण

4.4 कुशल विस्तारक के गुण – गहन अध्ययनशीलता, तार्किकता, सूक्ष्म निरीक्षण दृष्टि, निष्पक्षता, कुशल व्याख्याता, प्रतिभाशाली व्यक्तित्व, तीव्र स्मरण शक्ति, व्यापक शब्द भंडार, समुचित भाषाधिकार, पर्याप्त अभ्यास

4.4 सूक्तियों और कहावतों का विस्तारण

4.5 विस्तारण का अभ्यास

इकाई - 5 विराम चिह्नों का प्रयोग

5.1 विराम चिह्न का अर्थ

5.2 विराम चिह्नों का प्रचलन

5.3 विराम चिह्नों की उपयोगिता

5.4 हिंदी में प्रयुक्त होने वाले विराम चिह्न – पूर्ण विराम, अल्प विराम, अर्ध विराम, प्रश्नवाचक चिह्न, विस्मयादिबोधक चिह्न, योजक चिह्न, उद्धरण चिह्न, कोष्ठक, विवरण चिह्न, आदि।

संदर्भ ग्रन्थ

1. भाषा विज्ञान, डॉ. राम गोपाल सिंह
2. आधुनिक हिंदी व्याकरण, डॉ. राम गोपाल सिंह
3. जनसंचार माध्यम और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह
4. प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. राम गोपाल सिंह
5. हिंदी में मीडिया लेखन और अनुवाद, डॉ. राम गोपाल सिंह
6. विश्व की भाषाओं का वर्गीकरण, डॉ. राम गोपाल सिंह
7. सामान्य हिंदी, डॉ. सभापति मिश्र
8. व्यावहारिक हिंदी, डॉ. भोलानाथ तिवारी
9. राजभाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. राम गोपाल सिंह, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद
10 पत्रकारिता प्रशिक्षण, डॉ. राम गोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद